● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 202, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार, 03 सितम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सुनीता केजरीवाल ने लोगों को दी पांच गारंटी 5

साइना नेहवाल सन्यास लेने पर कर रही विचार 6

आंतरिक लोकतंत्र न अपनाने के नतीजे देख रहे कई सियासी दल : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद हैं। कार्यक्रम में साथ ही हरदीप सिंह पुरी, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री, नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं।

इस मौके पर नड्डा ने कहा, आपका जोश का देखकर, भारत की जनता का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति प्यार और भाजपा के प्रति आस्था को देखकर मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस बार का सदस्यता अभियान भी 10 करोड़ का आंकड़ा पार करेगा। भाजपा प्रमुख ने कहा, हम सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री देश के प्रधानसेवक होने के नाते 140 करोड़ देशवासियों का नेतृत्व करने के लिए प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं। लेकिन उसके बावजूद भी हम सबके लिए वो आदर्श हैं। उन्होंने हमेशा इस बात को अपने आप में जिया है कि संगठन सर्वोपरि है और संगठन पहले है। संगठन को जब भी आवश्यकता पड़ी है, व्यस्त समय में भी वो पार्टी को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा, जब अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तो उस समय उन्होंने सदस्यता अभियान को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने कहा था कि हम संगठन के रास्ते बदलेंगे, संगठन के तरीके बदलेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग जो कमल के निशान के साथ चलना चाहते हैं, उनका हम पार्टी में समावेश कर सकें।

वहीं, इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, हमारी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है। आज भारत के 1,500 से अधिक राजनीतिक दलों में कोई भी दल लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास और खुलेपन के साथ हर 6 साल के बाद अपने सदस्यता अभियान को नहीं करता है। ऐसा केवल और केवल भाजपा ही करती है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में कार्यकर्ता महज सदस्यता का एक अंक नहीं, बल्कि हमारे यहां कार्यकर्ता एक जीवंत इकाई, विचारधारा का वाहक, कार्य-संस्कृति का पोषक है। वह हमारी सरकार और संगठन के बीच कड़ी का काम करते हैं, जो सरकार को हमेशा जनता के साथ जोड़कर रखते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस सच्चाई को आज कोई नकार नहीं सकता कि नेताओं की कथनी और करनी में अंतर होने के कारण भारत की राजनीति और भारत के नेताओं पर से जनता का भरोसा कम हुआ है। भारत की राजनीति में इससे पहले नेताओं की कथनी और करनी में जो विश्वास का संकट पैदा हुआ था, उस विश्वसनीयता के संकट को किसी ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया है, तो वो हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

उन्होंने कहा, 2014 में जब मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने, उस समय मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष था। जब हमारा चुनावी घोषणा पत्र बन रहा था, तो उस समय भी हमारे प्रधानमंत्री ने बार-बार ये कहा कि आप इस बात की सावधानी बरतिएगा कि चुनावी घोषणा पत्र में जो कुछ भी कहा जाए, उसका पालन हम कर सकें।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज सदस्यता अभियान का एक और दौर शुरू हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का प्रयास किया है।

बाबा महाकाल मानव समाज का संरक्षण कर उत्साह बढ़ाते हैं: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन में बाबा महाकाल की आखिरी राजसी सवारी के अवसर पर अपने संदेश में कहा कि यह मात्र सवारी न होकर बाबा महाकाल का जनता के साथ सीधा सरोकार है। भगवान दर्शन देते हुए अपनी लौकिक दुनिया को अपनी निगाह से देखना चाहते हैं। मनुष्य भी इस अवसर की प्रतिक्षा करते हैं। कालों के काल महाकाल इस दुनिया में सदैव हमारा उत्साह बढ़ाते हैं। सभी का संरक्षण करते हैं। जीवन की ललक जगाते हैं। महाकाल की छबि देवों के देव के रूप में है। बाबा महाकाल एक विलक्षण देव हैं। गरीब से गरीब आदमी के जीवन में वे आशा, अपेक्षा और उत्साह का रंग घोलते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सवारी में शामिल हुए नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि बाबा महाकाल की सवारी की विशेषता है कि पूरे सावन में आयोजन होते हैं। पूर्णिमा से पूर्णिमा तक सभी सावन और भादो मास में दो सवारी अमावस्या से अमावस्या तक निकलती है। इस तरह उत्तर भारत और दक्षिण भारत की परम्पराओं के साथ पूर्व और पश्चिम सभी दिशाओं को शामिल करते हुए बाबा कृपा बरसाते हैं।

प्रति सोमवार सवारी में जुड़े अनेक आकर्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष बाबा महाकाल की सवारी में अनेक आकर्षण जोड़े गए, जिससे सभी को आनंद आया। प्रदेश के अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के प्रतिनिधि और श्रद्धालुजन भी अपनी लोक कलाओं के प्रदर्शन के साथ सवारियों में शामिल हुए। हमारे लिए बाबा महाकाल समग्र रूप से पूरे प्रदेश के लिए विशेषकर बड़ा देव के नाते से जनजातीय क्षेत्र में भी अत्यंत श्रद्धा से जाने जाते हैं। जनजातीय संस्कृति से अन्य लोग भी परिचित हों, इसलिए उन्हें सवारी में शामिल किया गया। सवारी में पहली बार पुलिस बैंड की आकर्षक प्रस्तुति भी शामिल की गई। साथ ही अन्य विभागों की सहभागिता भी रही। इस वर्ष आखिरी सवारी में पुष्प-वर्षा की व्यवस्था की गई। इन सभी प्रयासों और नवाचारों से महाकाल की सवारी की आभा एवं गौरव में वृद्धि हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने जाति जनगणना पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार(2 सितंबर) को जाति जनगणना करवाने की मांग वाली एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि जाति जनगणना एक नीतिगत मामला है। यह मुद्दा केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं।

याचिकाकर्ता पी प्रसाद नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से जाति जनगणना कराने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की थी। नायडू ने याचिका में कहा था कि केंद्र और उसकी एजेंसियों ने आज तक जनगणना-2021 के लिए गणना नहीं की है। शुरुआत में कोविड-19 महामारी और फिर कई बार स्थगित किया जा चुका है। जनगणना में देरी के कारण डेटा में बड़ा अंतर पैदा हो गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रविशंकर जंडियाला ने कहा कि कई देशों ने जातिगत जनगणना की, लेकिन भारत ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में कहा गया है कि यह जनगणना समय-समय पर की जानी चाहिए।

इससे पहले राहुल गांधी ने 24 अगस्त को एक कार्यक्रम में जाति जनगणना का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था- देश के कितने संस्थानों में दलितों-आदिवासियों की भागीदारी है। अगर उद्योगपतियों की लिस्ट निकालूं तो एक भी बड़े उद्योगपति 90त्न वाले लोगों में नहीं हैं। सिर्फ उद्योग में ही नहीं, कॉर्पोरेट, मीडिया, बैंकिंग सिस्टम में भी दलित नहीं है।

कांग्रेस नेता ने अपने भाषण में कहा था- जाति जनगणना संविधान को मजबूत करने का काम है। इसको 10त्न ने नहीं बनाया। इसको 100त्न ने बनाया है। इसकी रक्षा आप लोग करते हो। अडाणी जी नहीं करते है।

जम्मू में आतंकियों की फायरिंग से 1 जवान शहीद

मिलिट्री स्टेशन पर छिपकर गोली चलाई, सेना-पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर सोमवार सुबह आतंकियों ने सेना पर फायरिंग की है। इसमें एक जवान शहीद हो गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने मिलिट्री स्टेशन के बाहर से छिपकर स्नाइपर गन से गोलियां चलाई थीं।

जवान के घायल होने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। ड्रोन से भी इलाके की निगरानी की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में सुरक्षाबलों ने 3 पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया है। सुरक्षाबलों ने बताया कि ये हथियार ड्रोन से गिराए गए थे। क्चस्न और पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। सर्च ऑपरेशन भी तेज कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 5 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 29 अगस्त को कुपवाड़ा में एनकाउंटर में 3 आतंकी मारे गए थे। इनमें दो टेररिस्ट माछिल और एक तंगधार में मारा गया था। सेना ने बताया था कि माछिल और तंगधार में 28-29 अगस्त की देर रात खराब मौसम के बीच संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। इसके बाद यहां सेना और पुलिस ने सर्चिंग शुरू की। इस दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई थी।

पुणे में एनसीपी नेता पर 5 राउंड फायरिंग, मौत

पुणे। पुणे में एनसीपी अजित गुट के नेता और पूर्व पार्षद वनराज आंदेकर की रविवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पूर्व पार्षद पर ताबड़तोड़ पांच गोलियां चलाई गईं। फायरिंग के बाद वनराज आंदेकर को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि पुणे के नानापेठ के डोके तलीम इलाके में यह घटना देर शाम करीब 8:30 बजे हुई। आशंका है कि वर्चस्व विवाद के चलते आंदेकर की हत्या की गई है।

केजरीवाल के पीए बिभव को मालीवाल मारपीट केस में जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए बिभव कुमार को जमानत दे दी। बिभव पर आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने का आरोप है। वे 100 दिनों से जेल में हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने बिभव के जेल में बिताए 100 दिनों का जिक्र किया और कहा कि केस में चार्जशीट भी दायर की जा चुकी है। मालीवाल को आई चोटें सामान्य हैं। इस केस में जमानत मिलनी चाहिए। आप किसी व्यक्ति को ऐसे केस में जेल में नहीं रख सकते हैं।

यह मामला तब का है, जब 13 मई को स्वाति मालीवाल केजरीवाल से मुलाकात करने पहुंची थीं। इसके बाद उनकी बिभव कुमार से बहस हुई। बाहर आकर उन्होंने आरोप लगाया कि बिभव ने उनके साथ मारपीट की। जांच के बाद 18 मई को बिभव को गिरफ्तार कर लिया गया था।

असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले उन गवाहों की जांच हो जानी चाहिए, जो बिभव के प्रभाव में आते हैं।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली

विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई किसी का भी घर सिर्फ इसलिए तबाह कर सकता है, क्योंकि वह आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है तो उसका घर बिना तय कानून के तबाह नहीं किया जा सकता।

जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी...हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अड़ियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है। इसके जवाब में पीठ ने कहा, लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशानिर्देश की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। हम पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने पर विचार कर रहे हैं। मामले की सुनवाई 17 सितंबर को तय की गई। दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की।

सरकार को सिर्फ डेटा के लिए जातिगत जनगणना करवानी चाहिए: आरएसएस

पलक्कड़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोमवार को कहा कि जाति आधारित जनगणना लोगों के कल्याण के लिए सही है, लेकिन इसे चुनावों में राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। सरकार को सिर्फ डेटा के लिए जातिगत जनगणना करवानी चाहिए। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- हमारे हिंदू समाज में जाति बहुत संवेदनशील मुद्दा है। जनगणना हमारी राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए अहम है। इसे बहुत गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए। किसी जाति या समुदाय की भलाई के लिए भी सरकार को आंकड़ों की जरूरत होती है। ऐसा पहले भी हो चुका है, लेकिन इसे सिर्फ समाज की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। इसे चुनावों का पॉलिटिकल टूल न बनाएं। केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से चल रही तीन दिन की समन्वय बैठक के आखिरी दिन सुनील आंबेकर ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर, यूनिफॉर्म सिविल कोड और बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर भी बात की।

कांग्रेस नेता बोलीं- हमारी पार्टी में फिल्मों की तरह कास्टिंग काउच

तिरूवनंतपुरम। केरल कांग्रेस की नेता रोजबेल जॉन ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा केरल कांग्रेस में फिल्मों की कास्टिंग काउच वाली स्थिति बन गई है। सिर्फ सीनियर नेताओं के करीबियों को ही पार्टी में आगे बढ़ने का मौका मिलता है।

सिमी के इन आरोपों के बाद रविवार 1 सितंबर को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के महासचिव एम लिजू ने एक बयान में कहा कि सिमी रोज बेल जॉन को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।

महिलाओं का शोषण सभी क्षेत्रों में हो रहा है, यहां तक कि कार्यस्थलों और राजनीति में भी। पार्टी की कई साथी महिलाओं ने मेरे साथ अपने बुरे अनुभव साझा किए हैं।

सीबीआई ने आरजी कर कॉलेज के पूर्व-प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया

कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। कॉलेज में भ्रष्टाचार करने के मामले में सीबीआई ने उसे 16 अगस्त को हिरासत में लिया था। आज उसे सीबीआई के स्पेशल क्राइम ब्रांच ऑफिस से सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ले जाया गया है।

सीबीआई ने 24 अगस्त को घोष के खिलाफ वित्तीय अनियमितता का मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने यह कार्रवाई कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर की थी। इसके बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 28 अगस्त को संदीप घोष की सदस्यता सस्पेंड कर दी थी।

इधर, कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर लगातार 24वें दिन कोलकाता में राजनीतिक दलों और डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। सोमवार (2 अगस्त) को अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों के जूनियर डॉक्टरों ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की बॉडी मिली थी। इसके बाद से बंगाल में लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है।

मुंबई-इंदौर के बीच 309 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी

यह रेल परियोजना महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के उन जिलों को जोड़ेगी, जो अबतक रेल मार्ग से नहीं जुड़े

महाराष्ट्र के 2 और मध्यप्रदेश के 4 जिले होंगे शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार

भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रि-मंडलीय समिति (सीसीईए) ने आज रेल मंत्रालय के तहत लगभग 18 हजार 36 करोड़ रुपये की लागत वाली नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। इंदौर और मनमा? के बीच प्रस्तावित यह नई रेल लाइन सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नए भारत की कल्पना के अनुरूप है, जो क्षेत्र के व्यापक विकास के साथ ही लोगों को आत्म-निर्भर बनाएगी। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध सम्पर्क प्रदान करेगा। परियोजना महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 309 किलोमीटर की वृद्धि होगी। परियोजना के साथ 30 नए स्टेशन भी बनाए जाएंगे, जिससे मध्यप्रदेश के आकांक्षी जिले बड़वानी को बेहतर सम्पर्क मिलेगा। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1 हजार गांवों और लगभग 30 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश के विकास को और गति देने वाली इस नई रेलवे लाइन परियोजना की मंजूरी के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

परियोजना देश के पश्चिमी दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने वाला छोटा रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इससे श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित उज्जैन-इंदौर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। परियोजना से पीथमपुर ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और 700 छोटे और मध्यम उद्योग) को जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य बंदरगाहों से सीधा सम्पर्क मिलेगा। परियोजना मध्यप्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों को भी सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी, जिससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में इसके वितरण में सुविधा होगी।

कृषि उत्पादों, उर्वरक, कंटेनर, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, पीओएल के परिवहन के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्य के परिणामस्वरूप लगभग 26 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (18 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बनडाइक्साइड उत्सर्जन (138 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा जो सा? 5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

कोई भी हितग्राही शासन के योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे : कलेक्टर

सीएम हेल्प लाईन के आवेदन एल 1 पर ही निराकरण किये जाने का दिये निर्देश

सिंगरौली। कोई भी पात्र हितग्राही केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओ के लाभ वंचित न रहे अधिकारी अपने विभागो से संबंधित योजनाओं का लाभ लक्ष्य के अनुसार पात्र हितग्राहियों को दिया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही सीएम हेल्प लाईन पर प्राप्त आवेदनो का एल 1 पर ही संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करे एल 2 पर शिकायत न हो अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखे उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा विभागीय अधिकारियों को दिया गया।कलेक्टर ने विभागवार सीएम हेल्प लाईन में लंबित शिकायतो तथा जन सुनवाई में प्राप्त आवेदन पत्रो के निराकरण के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि सीएम हेल्प लाईन में प्राप्त शिकायतो के निराकरण के साथ ही जन सुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों का भी निराकरण विभागीय अधिकारी सुनिश्चत करे। तथा यह भी निर्देश दिये गये कि जन प्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रो का समय सीमा के अंदर जवाब दिया जाना सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान आवारा पशुओ के रोकथाम के लिए बनाये गये गौशालो में सुरंक्षित पहुचाने के साथ साथ उनके खाने पीने का उचित प्रबंध करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जो फिल्ड के अधिकारी है अपनी टूर डायरी तैयार कर अपने भ्रमण के दौरान संबंधित क्षेत्र के विद्यालय, मध्यान भोजन, आगनवाड़ी केन्द्रों के साथ साथ शासकीय उचित मूल्य के दुकानो, छात्रावासो का निरीक्षण करेगे। तथा इसकी रिपोर्ट तैयार कर दिया जाना सुनिश्चित करेगे।

उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि अगर विद्यालय में कोई शिक्षक अपने स्थान पर किसी दूसरे को पढ़ाने के लिए विद्यालय में भेजता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। वही कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, जीएम प्रधानमंत्री सड़क, नगर निगम आयुक्त, पीआईयू सहित अन्य निर्माण एजेंसियों को इस आशय के निर्देश दिये गये कि अत्याधिक वर्षा के कारण जो भी पुल पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है आवागमन में कठिनाई हो रही है उन्हे चिन्हित कर निर्माण या सुधार करने हेतु नियमानुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने रोजगार अधिकारी को निर्देश दिये कि निर्धारित समयानुसार रोजगार मेले का आयोजन किया जाये तथा उसके प्रगति की जानकारी से अवगत कराये। उन्होने सीधी सिंगरौली सड़क निर्माण मार्ग में स्थिति गोपद पुल से आवागमन को निधारित समय पर चालू करने के साथ साथ अन्य स्थलो में जहा पर आवागमन में कठिनाई उत्पन्न हो रही वहा पर सुधार कराया जाना सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर अरविंद झा, पी.के सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सृजन बर्मा, राजेश शुक्ला, नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, खनिज अधिकारी ए.के राय, जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर, आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम, उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, सहायक आयुक्त सहकारिता पी.के मिश्रा, अधीक्षण यंत्री विद्युत आरपी मिश्रा, सीएमएचओ एन.के जैन सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्थागत प्रसव शत प्रतिशत किया जाना सुनिश्चित करे

टेलीमेडिसन के संबंध में व्यापक स्तर पर किया जाये प्रचार प्रसारः शुक्ला

सिंगरौली। कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जिले में संस्थागत प्रसव शत प्रतिशत हो साथ ही टेलीमेडिसन के संबंध में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाना सुनिश्चित करे ताकि आम जन मानस को इसके संबंध में जानकारी हो सके। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर अरविंद झा, नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा, सीएमएचओ एन.के जैन, महिला बाल विकास अधिकारी राजेश गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. देवेन्द सिंह उपस्थित रहे।कलेक्टर ने बैठक के दौरान जिले में संस्थागत प्रसव के लक्ष्य के संबंध में जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि संस्थागत प्रसाव शत प्रतिशत कराया जाये। तथा गर्भवती महिलाओ का समय समय पर स्वास्थ्य जॉच कर उन्हे आवश्यकता अनुसार दवा उपलब्ध कराया जाये। संस्थागत प्रसव पर दिये जाने वाले लाभ के संबंध में प्रचार प्रसार किया जाये ताकि सुरंक्षित प्रसव हो सके। उन्होंने अनमोल पोर्टल के प्रगति की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि अभी तक निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पोर्टल में प्रगति दर्ज नही है इसमें सुधार लाया जाये। तथा टीकाकरण शत प्रतिशत लक्ष्य के अनुसार किया जाये। एनआरसी मे कुपोषित बच्चो के संख्या की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक का लक्ष्य के अनुरूप बच्चो को एनआरसी मे भर्ती नही कराया गया है इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। लक्ष्य के अनुरूप एनआरसी में कुपोषित बच्चो को भर्ती कराया जाये साथ ही भर्ती के उपरांत अभिभावको को दिये जाने वाले लाभ से संबंध में अवगत कराये। अगली बैठक के दौरान मुझे लक्ष्य के अनुसार एनआरसी में बच्चो की भर्ती का जानकारी दिया जाना सुनिश्चित किया जाये। बैठक के दौरान डॉ. कल्पना रवि, पंकज सिंह, बीएमओ एचएल बैस, सीएल सिंह, डीपीएम सुधाशु मिश्रा, मलेरिया अधिकारी नागेन्द सिंह, राजकुमार पटेल , महिला बाल विकास के परियोजना अधिकारी शैलेन्द साकेत, आरपी सिह, विन्दु उईके सहित संबंधित विभागो अधिकारी उपस्थित रहे।

अगस्त माह की जारी सीएम हेल्प लाईन की रैकिंग में ए ग्रेड प्राप्त करने वाले अधिकारियो को मिला प्रशस्ति पत्र

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा अगस्त माह में जारी सीएम हेल्प लाईन की रैकिंग मे ए ग्रेड स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमे एसडीएम सिंगरौली सृजन बर्मा, नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा, सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक अनुराग मोदी, एसडीओ वन विभाग नरेन्द्र त्रिपाठी, उप संचालक कृषि आशीष कुमार पाण्डेय, सहायक यंत्री पीएचई सुनील कुमार नरेती को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।विदित हो कि प्रदेश में नागरिको के शिकायतो के त्वारित संतुष्टि कारण निराकरण हेतु राज्य शासन द्वारा 181 सीएम हेल्प लाईन का संचालन किया जा रहा है। जिसमें नागरिको द्वारा अपनी समस्याओं के त्वारित निराकरण हेतु शिकायत दर्ज कराई जाती है जिसका संबंधित विभागो के अधिकारियो द्वारा निराकरण किया जाता है। उपरोक्त अधिकारियो द्वारा प्राप्त शिकायतो को गंभीरता पूर्वक लेते हुये संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराया जाकार जारी रैकिंग में ए. ग्रेड स्थान प्राप्त किया गया। कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियो को बधाई देते हुये उपस्थित अन्य अधिकारियो से अपेक्षा किया कि अगली रैकिंग में आप भी स्थान प्राप्त कर जिले कि रैकिंग अव्वल ग्रेड पर लाये।

एंबुलेंस वाहन चालक व स्टाप काम बंद हड़ताल पर

सिंगरौली। जिला चिकित्सालय के एंबुलेंस वाहन चालक अपनी मांगो को लेकर हड़ताल पर चले जाने से अस्पताल की व्यवस्था आज सोमवार को चरमरा गई। बताया गया कि कुल 21 एम्बुलेंस वाहन से चालक व स्टाप कुल मिलाकर 70 लोग एनसीएल मैदान बिलौजी मे पूरी तरह से वाहन को खड़ी कर कामबंद कर हड़ताल पर बैठे हुये है । वही एम्बुलेंस वाहन चालकों ने बातचीत के दौरान अपनी मांगो को लेकर बताया कि जिले भर मे संचालित जननी एम्बुलेंस एएलएस एंबुलेंस व बीएलएस एम्बुलेंस वाहन को फर्जी केस में प्रतिदिन 350 किलोमीटर चलाने का दबाव दिया जाता है और एंबुलेंस वाहन का मेंटिनेन्स एएमटी के अलावा जो भी मेंटेनेंस का खर्च होता है वो एम्बुलेंस कम्पनी के द्वारा चालक के जेब से देने का दबाव बनाया जाता है जो जांच का विषय हुआ है और अपनी मांग को लेकर हड़ताल पर है।जिसमें पुराने ईएमटी पायलट को निकालकर नये ईएमटी पायलट को बाहर से बुलाया जा रहा है सहित कई मांगे शामिल है।

भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ आरोपी को पकड़ा, मामला दर्ज

बरगवां पुलिस की कार्यवाही

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता द्वारा अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बरगवां पुलिस ने क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री में लगे एक आरोपी को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरगवां पुलिस को थाना क्षेत्र के ग्राम खरखटा में अवैध शराब की बिक्री हेतु सूचना मिली थी। जिसपर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं एसडीओपी कृष्ण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में प्रभारी अधिकारी उपनिरीक्षक रामजी त्रिपाठी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर ग्राम खरखटा भेजा गया। जहां गोविंद साहू के निर्माणाधीन घर के बगल में रेड कार्यवाही के दौरान आरोपी गोविंद साहू पिता स्वर्गीय तिलकधारी साहू उम्र 69 वर्ष के कब्जे से तीन कार्टून में भरी देसी एवं अंग्रेजी शराब समेत बियर की कई केन बरामद हुई है। पुलिस द्वारा पकड़ी गई कुल 67.54 लीटर शराब की कीमत 25710 रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए शराब में 135 पाव देसी प्लेन मदिरा थी, जबकि अन्य कार्टून में 62 नग पावर केन बियर, वही सफेद डिब्बे में 28 पाव देसी मसाला शराब के साथ 40 पाव अंग्रेजी गोवा व्हिस्की रखी थी। पुलिस ने उक्त आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 627/24 धारा 34(2), 42 आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई है। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक रामजी त्रिपाठी के नेतृत्व में सहायक उप लनिरीक्षक कृष्णेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक अनूप मिश्रा, मनोज गौतम, आरक्षक विकेश सिंह एवं कौशलेंद्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देवसर के अस्तित्व को लेकर वरिष्ठ जनों ने व्यक्त की चिंता

वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम पाठ्क के नेतृत्व में आगामी 8 सितंबर को शिव मंदिर में होगी वृहद बैठक

सिंगरौली। पिछले दो दसको से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार हो रहे देवसर क्षेत्र के पिछड़ेपन को लेकर यहां के प्रबुद्ध जनों ने चिंता व्यक्त की है। इसी तारतम्य में विगत 1 सितंबर रविवार को क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी व सामाजिक चिंतक घनश्याम पाठक ने क्षेत्र के कई प्रबुद्ध व गणमान्य जनों के साथ एक औपचारिक मुलाकात कर क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर चर्चा की तथा उसके समाधान एवं संघर्ष हेतु रणनीत तैयार किए जाने हेतु आगामी 8 सितंबर दिन रविवार को शिव मंदिर परिसर में वृहद बैठक बुलाई गई है इस औपचारिक मुलाकात के दौरान उपस्थित जनों से देवसर का अस्तित्व बचाने हेतु आगे आने की अपील की है। जहां मुख्य रूप से श्री पाठक के अलावा पूर्व सरपंच रमापति शुक्ल, सेवानिवृत्ति राजस्व निरीक्षक कालीचरण चतुर्वेदी, सेवानिवृत शिक्षक खड्गपुसाद पाठक, क्षेत्र के युवा पत्रकार अनुरोध शुक्ला, ठाकुर प्रसाद द्विवेदी, वृंदावन मिश्रा,सहित कई लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम अध्यक्ष की अध्यक्षता में परिषद की बैठक आज

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के अध्यक्ष देवेश पाण्डेय के अध्यक्षता में परिषद की बैठक आज 3 सितम्बर को निर्धारित समयानुसार 11 बजे दिन आहूत होगी। परिषद की बैठक में शहर के विकास के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेगा। उक्त परिषद बैठक में प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार साथी सादर आमंत्रित है।

नाबालिक से छेड़छाड़ के आरोपी को नवानगर पुलिस ने 24 घण्टे के अन्दर किया गिरफ्तार

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के कुशल निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते विन्ध्यनगर की सतत् निगरानी में थाना प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं उनकी टीम को कामयाबी मिली है । जानकारी मे बताया गया कि बीते 30 अगस्त को पीडिता उम्र करीबन 17 वर्ष अपने पिता के साथ थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई की राहुल नाम का लडका कई दिनो से गलत नीयत से पीछा कर रहा था तथा बात करने के लिये बोल रहा था जिसे पीडिता द्वारा मना करने पर 30 अगस्त के करीबन 1.30 बजे जब पीडिता स्कुल से घर जा रही थी तो रास्ते मे मिला तथा बात न करने पर जान से मारने की धमकी दी। जिस पर अपराध धारा 78,74,351 (2) बीएनएस एवं 7/8,11/12 पाक्सो एक्ट कायम कर विवेचना मे लिया गया। उपरांत न्यायालय में पेश किया जाकर जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्र सिह, सउनि बीरेन्द्र त्रिपाठी. प्र.आर. प्रवीण सिह मौजूद रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल सुहासनी संघ ने स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित मसाला उत्पादन यूनिट का किया गया उद्घाटन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्यांचल द्वारा अपनी नैगम सामाजिक नीति के तहत परियोजना के आसपास की ग्रामीण महिलाओ को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी कड़ी में 1सितंबर को एनटीपीसी विंध्यांचल नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत सुहासनी संघ के सौजन्य से स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित मसाला उत्पादन यूनिट का उदघाटन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना एवं स्व सहायता समूह का निर्माण कर मशाला उत्पाद सामग्री को मार्केट में बिक्री करने हेतु मसाला प्रोडक्शन यूनिट की स्थापना कर मार्केटिंग हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, अध्यक्ष (सुहासिनी संघ) श्रीमती सरोजा फणि कुमार उपस्थित रही। साथ ही इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) समीर शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बीसी चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष (सुहासिनी संघ) श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, मानव संसाधन प्रमुख राकेश अरोड़ा, अपर महाप्रबंधक (नगर अनुरक्षण) अतुल मारखेड़कर, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रणव वर्मा, वरिष्ठ प्रबन्धक (सीएसआर-आरएंडआर) माहताब आलम, महासचिव (सुहासिनी संघ) श्रीमती शिल्पा कोहली, श्रीमती मुस्कान अरोड़ा, परियोजना अधिकारी (ईडीआईआई) दिलीप सिंह कुशवाहा, कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल, मसाला उत्पादन यूनिट के लिए बनाए गए स्व सहायता समूह के सदस्य के साथ-साथ सीएसआर टीम के अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे । बता दे कि एनटीपीसी विंध्यांचल सीएसआर द्वारा पूर्व में भारतीय उद्यमिता विकास के सहयोग से 2 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया था। उन्ही समूह कि महिलाओ हेतु भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के माध्यम से सुहासिनी संघ के तत्वाधान में मशाला उत्पादन यूनिट का स्थापना किया गया।

सचिव को यथावत रखने सैकड़ो ग्रामीण और सरपंच लामबंद, पहुंचे जिला पंचायत

जनपद पंचायत चितरंगी के बिरकुनिया पंचायत का मामला,पूर्व सचिव विजय सोनी पर अमानत में खयानत के लगाएं आरोप

सिंगरौली। चितरंगी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बिरकुनिया के सैकड़ों ग्रामीण, उप सरपंच सहित पंचायत प्रतिनिधि सचिव को यथावत रखने लामबंद हो गए हैं। पंचायत प्रतिनिधि के साथ सैकड़ो ग्रामीण सचिव को यथावत रखने के लिए जिला पंचायत पहुंचकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी से गुहार लगाई है। साथ ही कहां है कि यदि सचिव को हटाया जाता है तो ग्रामीण भूख हड़ताल करेंगे जिसकी जवाब दे ही जिला प्रशासन की होगी।

गौरतलब है कि बिरकुनिया गांव के पंच, उपसरपंच सहित सैकड़ों ग्रामवासी सुबह से ही जिला पंचायत में डेरा डाल दिया। पंच उपसरपंच और ग्रामीणों ने बताया कि विगत 6 माह से गांव में कोई भी विकास कार्य नहीं हो रहा और ना ही सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ किसी को मिल रहा। यह सब तब हो रहा जब पंचायत की पढ़ी-लिखी महिला को सरपंच बनाया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है चुनाव के समय जो प्रतिद्वंद्वी थे वह खुद को भाजपा से जुड़ा होना बताते हैं और सरपंच और सचिव को परेशान करते हुए विकास कार्यों को रोक रहे हैं। चुनाव में हारे हुए प्रतिद्वंदियों को कहना है कि हमारी पार्टी की सरकार है मंत्री एवं अधिकारी हमारे जेब में है हम सब मिलकर सरपंच और सचिव को हटाकर ही दम लेंगे। हाल ही आएं सचिव प्रदीप दुबे को एक सप्ताह में हटाने की धमकी दे रहे हैं। साथ ही कहां जा रहा है कि पूर्व में पदस्थ सचिव विजय सोनी को फिर से बिरकुनिया गांव का सचिव बनवायेंगे ताकि गांव का विकास रुक जाए। पूर्व सचिव विजय सोनी राज्य मंत्री और उनके पति का धौंस दिखाकर लोगों पर दबाव बनाता है और मनमानी करता है। वही उसकी पत्नी भाजपा मंडल महामंत्री है।

भ्रष्टाचार करने पर निलंबित हो गया था सचिव

ग्रामीणों ने बताया कि सचिव विजय सोनी भ्रष्टाचार में लिप्त है। सिलफोरी पंचायत में वित्तीय अनियमितता के कारण उसे निलंबित कर दिया गया था। उसके बाद उसे पिपरा पंचायत का प्रभार मिला तो उसने वहां भी वित्तीय अनियमितता के चलते उसे वित्तीय प्रभार छीन लिया गया था। ऐसे भ्रष्ट सचिव को राजनीतिक रंजिश रखने वाले अरविंद कुशमाकर, पीयूष कुमार कुशमाकर, पूर्व सरपंच उमेश वैस, उपसरपंच प्रत्याशी अनिल वैसे रामजी गुर्जर, सचिव विजय सोनी की पत्नी कविता सोनी अपनी राजनीतिक पहुंच से बिरकुनिया ग्राम पंचायत का सचिव नियुक्त करने की साजिश रच रहे हैं।

पढ़ाई नहीं प्रधानाध्यापक करता है राजनीति

ग्रामीणों ने बताया कि माध्यमिक शाला बिरकुनिया में अरविंद कुशमाकर प्रधानाध्यापक पद पर भले ही पदस्थ है लेकिन वह बच्चों के पठन-पाठन पर काम ही ध्यान रखते हैं। प्रधानाध्यापक का बच्चों की पढ़ाई लिखाई के बजाय राजनीति में अधिक रुचि है। वह गांव के पंचायत में अनावश्यक अवरोध पैदा करते हैं। वह रंगीन मिजाज के हैं बिरकुनिया स्कूल में उन्होंने अश्लील डांस भी करवाया था। ऐसे शिक्षक को गांव से कहीं दूसरी जगह तबादला कर देना चाहिए।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक आयोजित

शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं त्यौहार : अपर कलेक्टर

सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग नहीं कर ईकोफ्रेंडली वातावरण में त्यौहार मनाएं

सीधी। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत अपर कलेक्टर राजेश शाही की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर द्वारा शांति समिति के सदस्यों के माध्यम से जिले वासियों से अपील की गई है कि आगामी त्यौहारों गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी, दुर्गोत्सव, दीपावली को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से सजग रहकर भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने तथा जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। अपर कलेक्टर ने कहा कि गणेश उत्सव तथा दुर्गा उत्सव में मिट्टी से बनी मूर्तियों को स्थापित करें। धार्मिक आयोजनों में सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग नहीं करें तथा ईकोफ्रेंडली वातावरण में त्यौहार मनाएं। हम सभी के द्वारा किया गया एक छोटा सा प्रयास पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्धन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत बनायेगा।

गणेश चतुर्थी एवं दुर्गोत्सव में पंडालों में वालेंटियर्स की सूची उपलब्ध करानी होगी

अपर कलेक्टर ने कहा कि त्यौहारों को मनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि सभी

सुरक्षात्मक उपाय कर लिए गए हैं। कानून एवं व्यवस्था की स्थिति निर्मित नहीं हो तथा यातायात का सुचारू रूप से संचालन जारी रहे। बैठक में यातायात के सुचारू संचालन के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव तथा दुर्गोत्सव में मूर्ति स्थापना के पूर्व नियमानुसार अनुमति प्राप्त करनी होगी। प्रत्येक पंडाल के आयोजकों को वालेंटियर्स की सूची अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी। सभी पंडालों में वालेन्टियर्स को रात्रि के समय देखरेख करना आवश्यक होगा। पंडालों में विद्युत की व्यवस्था सुचारू रूप से करनी होगी तथा सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाने होंगें। विद्युत सप्लाई में खुले तारों का प्रयोग नहीं करें। विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रत्येक पण्डाल की जांच कर सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी प्रत्येक पंडाल का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के सम्बंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। अपर कलेक्टर ने कहा कि आयोजकों को फायर सेफ्टी एवं इलेक्ट्रिक सेफ्टी का ध्यान रखना आवश्यक होगा तथा सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाने होंगे। इसके साथ ही सभी आयोजन स्थलों में एक हेल्पडेस्क बनाने के लिए कहा गया है जिससे कार्यक्रम के संचालन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

मूर्ति विसर्जन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

मूर्ति विसर्जन का कार्य केवल चिन्हित स्थानों में ही किया जाएगा। अपर कलेक्टर द्वारा विसर्जन कुण्ड के समीप सुरक्षा के दृष्टिकोण से किए जाने वाले प्रबंधों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने विसर्जन स्थल के निर्धारित स्थल पर बेरिकेटिंग करने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने विसर्जन स्थल के समीप जेसीबी मशीन, गोताखोर, चिकित्सीय दल के साथ-साथ प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही छाया, पेयजल एवं पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार से अवरोध उत्पन्न ना हो, इसका विशेष ध्यान देते हुए मूर्तियों का विसर्जन स्थल तक पहुंचने के रूटचार्ट के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

अराजक तत्वों के विरूद्ध होगी वैधानिक कार्यवाही

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस द्वारा सतत रूप से चौकसी रखी जाएगी तथा कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को अवगत कराएं। तुरंत कड़े एवं प्रभावी कदम उठाए जाएगें। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जायेगी। सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी एवं आयोजक मंडल के अनुमति के बिना सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों का प्रसार नहीं करें।

16 सितंबर को मनाया जाएगा मिलाद-उन-नबी का त्यौहार

मिलाद-उन-नबी का त्यौहार 16 सितंबर को मनाया जाएगा। अपर कलेक्टर द्वारा कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल की साफ सफाई तथा पेयजल के लिए नगर पालिका को निर्देशित किया गया है। जुलुस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात के सुचारू संचालन के लिए पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया गया है।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी गायत्री तिवारी सहित शांति समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करायें

समय सीमा बैठक सम्पन्न

सीधी। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर राजेश शाही ने शिकायतों को प्राथमिकता पर संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा करें। शिकायतकर्ता से संपर्क कर शिकायत की वास्तविक स्थिति के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। कोई भी शिकायत अन-अटेंडेड नहीं रहनी चाहिए तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यून होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुख शिकायतों की स्वयं निगरानी रखें तथा शिकायतों की संख्या के आधार पर आवश्यक प्रक्रियात्मक सुधार करें जिससे शिकायतों की संख्या में कमी आए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर ने आवेदनों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। जाति प्रमाण पत्र से संबंधित समस्त आवेदनों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने समय-सीमा पत्रों पर निर्धारित समयावधि में समस्त कार्यवाहियां पूर्ण कर विलोपित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय तथा वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों पर त्वरित कार्यवाही कर वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक कांग्रेस संगठन के नवीन पदाधिकारियो का हुआ स्वागत

सीधी। रविवार को उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के शिक्षक बैठक कक्ष में मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस जिला इकाई सीधी की बैठक संभागीय। सम्भागीय अध्यक्ष मोहन चंद्र गौतम की उपस्थिति में संघ के संरक्षक आदरणीय शंभू नाथ त्रिपाठी प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 सीधी के मुख्य आतिथ्य में समय 2:00 बजे संपन्न हुई। बैठक में संघ के प्रांताध्यक्ष आदरणीय सतीश शर्मा के द्वारा नव नियुक्त किए गए संघ के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र मुख्य अतिथि के हाथों से प्रदान किया गया तथा संघ के कर्तव्यों व अधिकारों का बोध कराया गया। संघ के नव नियुक्त पदाधिकारी निम्न अनुसार है- संभागीय अध्यक्ष मोहन चंद्र गौतम, जिला अध्यक्ष विजय सिंह, जिला कार्यकारी अध्यक्ष कृपाशंकर मिश्र, जिला महामंत्री रोहिणी प्रसाद पाठक, संभागीय महामंत्री धीरेंद्र सिंह चंदेल, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार रावत जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह परिहार मनोनीत हुये। बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों पदाधिकारियों ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया और शिक्षकों की समस्त समस्याओं निराकरण के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने की बात कही। अंत में मुख्य अतिथि महोदय आदरणीय शंभू नाथ त्रिपाठी सर ने अपना संगठन की मजबूती के लिए अमूल्य सुझाव प्रदान किया, बैठक में प्रभाकर नाथ योगी, अनुराग पाठक सर, मनोज तिवारी, अमित मिश्रा, पवन कुमार द्विवेदी, एम.के. नामदेव, गिरिजा प्रसाद तिवारी, केसरी रावत, श्रीमती सोनी मैडम व कई शिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सहायक आयुक्त ने किया पीएम जनमन कैम्पों का निरीक्षण

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार 23 अगस्त से पी.व्ही.टी.जी. बैगा बसाहटों व पंचायतों में सतत कैम्प लगाये जा रहे हैं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी भी सेचुरेशन कैम्पों में पहुंचकर योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इसी क्रम में 02 सितंबर को सीधी विकासखण्ड के कोचिला एवं कारीमाटी में आयोजित पीएम जनमन कैम्पों का भ्रमण डॉ. डी.के. द्विवेदी सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सीधी द्वारा किया गया। ग्राम कोचिला में आधार आपरेटर पीएम जनमन बैंक खाता कैम्प एवं आयुष्माान कार्ड बनाने के लिए आशा कार्यकर्ता तथा कैम्प में पंचायत सचिव रोजगार सहायक पटवारी एवं नोडल अधीक्षक आदि उपस्थित थे। कैम्प में जिनका आधार, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड एवं बैंक खाता नहीं खुला है वे हितग्राही कैम्पों में उपस्थित थे। इसके पश्चात सहायक आयुक्त द्वारा ग्राम पंचायत

कारीमाटी में आयोजित कैम्प का भ्रमण कर सेचुरेशन कैम्प का अवलोकन किया गया जहाँ पर आधार आपरेटर, आशा कार्यकर्ता, सचिव, रोजगार सहायक तथा नोडल अधीक्षक कैम्प में उपस्थित पाये गये। सहायक आयुक्त डॉ. डी.के. द्विवेदी ने पी.व्ही.टी.जी. बैगा परिवारों से चर्चा कर उन्हें कैम्प में पीएम.जनमन योजना का शत प्रतिशत लाभ लिये जाने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि आप लोग 09 विभागों की 11 सेवाओं तथा हितग्राही मूलक योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित हों। कैम्पों में पीएम.जनमन रथ द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आई.ई.सी. कैम्पेनिंग के सफल क्रियान्वयन हेतु नोडल अधिकारी पी.एम.जनमन श्री राजेश शाही द्वारा 05 गावों में एक वालेन्टियर भी नियुक्त किया गया है जो ग्रामों में जाकर योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। कैम्पों के भ्रमण में सहायक आयुक्त डॉ. डी.के. द्विवेदी के साथ विभाग के क्षेत्र सयोंजक एन.के.एस. मरकाम तथा मंडल संयोजक राजेश प्रसाद पटेल रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण में सिटिजन फीडबैक की भागीदारी सुनिश्चित करने अधिकारियों का उन्मुखीकरण किया गया

सीधी। समय-सीमा बैठक में अपर कलेक्टर राजेश शाही के निर्देशन में स्वच्छता सर्वेक्षण में सिटिजन फीडबैक की भागीदारी सुनिश्चित करने अधिकारियों का उन्मुखीकरण किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण में कुल 9500 अंकों में नागरिकों की 60 प्रतिशत भागीदारी होती है जिसमें सभी निवासियों से सर्वेक्षण से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं और उनसे स्वच्छता फीडबैक लिया जाता है।

सभी शासकीय भवनों में निर्धारित मापदंडों के अनुसार स्वच्छता बरकरार रखने के निर्देश दिए गए। स्वच्छ सर्वेक्षण में सभी शासकीय भवनों का मापदंड किया जाता है अतः सभी सरकारी भवन में स्वच्छता व्याप्त रहे तथा उत्सर्जित कचरा एक जगह एकत्रित रखें और एकत्रित कचरे को नगर पालिका परिषद सीधी की कचरा गाड़ी में भरकर कर प्रसंस्करण इकाई में ले कर जाएगी। इसी प्रकार सभी विद्यालयों में वांछित स्वच्छता के मापदंडों का अनुपालन करने नगर पालिका के द्वारा स्कूल में दौरा कर समझाइए दी जाएगी। यह नगर पालिका परिषद सीधी की सकारात्मक पहल है। सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग करके शहर को स्वच्छ रखने की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास किए जाएंगे जिसमें नागरिकों की सहभागिता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब तक व्यवहार परिवर्तन नहीं होगा तब तक संसाधनों के होने के बावजूद भी कचरा फेंकने की प्रवृत्ति बनी रहती है। सभी शासकीय सेवकों को व्यवहार परिवर्तन की दिशा में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

कलेक्ट्रेट में किया गया राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का गायन

सीधी। सितम्बर माह के कार्य का आगाज राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के गायन के साथ अपर कलेक्टर राजेश शाही की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुआ। इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी

गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सीधी (म0प्र0)

Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक/1268/खनिज/2024 सीधी, दिनांक 29/08/2024

// द्वितीय सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री हर्ष सिंह पिता श्री दानबहादुर सिंह निवासी ग्राम डैनिहा, तहसील गोपद बनास, जिला-सीधी (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 29.07.2024 को प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 03.09.2024 से 17.09.2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	गोपद बनास	बारी	92/3	2.000	निजी	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

खनिज अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-15657/24

जिले में शुभारंभ हुआ भाजपा का सदस्यता अभियान, सांसद, जिला अध्यक्ष बने सदस्य

सीधी। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा के द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाकर भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान का शानदार आगाज हुआ। जिसमें लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान वर्चुअल रूप से दिल्ली केंद्रीय कार्यालय से जुड़कर सदस्यता अभियान का हिस्सा बने।

सदस्यता अभियान के शुभारंभ के पश्चात मीडिया से रूबरू होते हुए लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज से भारतीय

जनता पार्टी का सदस्यता अभियान प्रारंभ हो रहा है। इस सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाएं और स्वयं भी सदस्य बने।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने सभी को शानदार सदस्यता ग्रहण करने एवं समारोह करने की बधाई दी। भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि हम जिले की सदस्यता लक्ष्य 250000 से अधिक को पहले चरण में ही पूर्ण करेंगे। सदस्यता प्रत्येक व्यक्ति प्रत्येक गली, मोहल्ले और सर्वस्पर्शी सर्वव्यापी हो, इसके लिए सभी कार्यकर्ता चिंता करें। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पहले सदस्य बनते ही भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता पर्व का शानदार शुभारंभ हुआ है। सांसद डॉ राजेश मिश्रा 88 0000 2024 पर मिस्ड कॉल करके भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बने। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सदस्यता के जिला प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अनिल पांडे, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी, अमलेश्वर चतुर्वेदी, सुरेश सिंह चौहान, संदीप शर्मा, जिला महामंत्री डॉ मनोज मिश्रा, अशोक पटेल, विनोद साकेत, नगरी निकाय के प्रदेश सहसंयोजक जितेन्द्र सिंह चौहान, नीलम पांडे, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, अजीत वर्मा, अजीत पांडे, राकेश मौर्य, पूनम सोनी, मंडल अध्यक्ष मुनिराज विश्वकर्मा, निशा सिंह चौहान, विभा शर्मा, कृष्णकांत द्विवेदी, पंकज पांडे, अभय सिंह, पुनीत त्रिपाठी, कौशलेंद्र सिंह, चंदन सिंह, महेश प्रजापति, श्याम सुंदर दास, आशीष मिश्रा, के के तिवारी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

आयुष का विस्तार

इस विस्तार का उद्देश्य देश के हर नागरिक तक इन पद्धतियों की पहुंच सुनिश्चित करना है. हाल के वर्षों में इन चिकित्सा पद्धतियों, जिनमें आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध तथा होमियोपैथी शामिल हैं- से संबंधित सुविधाएं भी बढ़ी हैं तथा लोगों में नये सिरे से इनमें भरोसा भी बढ़ा है.

जाधव ने उचित ही रेखांकित किया है कि औपनिवेशिक दौर में इन पद्धतियों को बहुत नुकसान हुआ, लेकिन अब स्थिति बेहतर हो रही है. भारत सरकार ने आयुष को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का प्रमुख हिस्सा बनाया है, इसके लिए अलग मंत्रालय भी बनाया गया है. राज्य सरकारें भी इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं. देश में छह सौ से अधिक आयुष महाविद्यालय हैं. नये संस्थानों के बनने से इनकी संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. यह संतोष की बात है कि भारत में 25 हजार से अधिक आयुष अस्पताल और क्लीनिक हैं. इनमें कुछ ऐसे भी हैं, जहां आयुष के अलावा एलोपैथी चिकित्सा की सुविधा भी है.

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान आयुष के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है. साल 2014 में अपनी स्थापना के बाद से आयुष मंत्रालय उल्लेखनीय नेतृत्व प्रदान कर रहा है. भारतीय मेडिसिन और होमियोपैथी परिषदों द्वारा नियामक और प्रमाणन का उत्तरदायित्व निभाया जा रहा है. आयुष्मान भारत योजना और राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत आयुष केंद्रों का विस्तार तेजी से हो रहा है. दवा निर्माण संयंत्रों और बिक्री केंद्रों की संख्या भी बढ़ रही है.

इस विकास का आर्थिक पक्ष भी उत्साहजनक है. साल 2022 में आयुष उद्योग का आकार डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका था. आकलनों की मानें, तो आगामी कुछ वर्षों में इस क्षेत्र की औसतन सालाना प्रगति 15 से 20 प्रतिशत रहने की आशा है. देश के निर्यात को बढ़ाने में भी आयुष क्षेत्र का योगदान बढ़ रहा है. विभिन्न देशों से लोग आयुष अस्पतालों और वेलनेस सेंटरों की सेवा लेने आ रहे हैं तथा उत्पादों का निर्यात हो रहा है. आयुर्वेद और योग को लेकर विश्वभर में रुचि बढ़ी है. आधुनिक जीवन शैली की विसंगतियों के कारण स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं. गंभीर रोगों का प्रकोप भी चिंताजनक है.

प्रधानमंत्री जन धन योजना के दस वर्ष

लंबे समय तक, हम करोड़ों भारतीयों के वित्तीय बहिष्करण का रोना रोते रहे. वर्ष 2014 में, तत्कालीन नयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने करोड़ों भारतीयों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल करने का एक महत्वाकांक्षी और चुनौतीपूर्ण कार्य प्रारंभ किया. यह प्रधानमंत्री जन धन योजना एक शानदार कामयाबी साबित हुई. इस सफलता को कुछ प्रमुख तथ्यों की रौशनी में देखा जा सकता है. इस योजना के 14 अगस्त 2024 तक 53.13 करोड़ लाभार्थी थे, जिनकी कुल जमा राशि 2.31 लाख करोड़ रुपये थी. इन लाभार्थियों में लगभग तीस करोड़ महिलाएं हैं. 'द डिजाइन ऑफ डिजिटल फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर- लेसंस फ्रॉम इंडिया' (बीआईएस पेपर्स नंबर 106, दिसंबर 2019) शीर्षक एक शोध पत्र में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के शोधकर्ताओं ने रेखांकित किया है, 'वर्ष 2008 में निम्न स्तर के वित्तीय समावेशन और औपचारिक पहचान को देखते हुए, एक दशक से कुछ अधिक समय पहले भारत के सामने बेहद कठिन चुनौतियां थी.

वी अनंत नागेश्वरन

अधिकतर मनुष्यों के मामले में यही सच है. हम सार्वजनिक नीतियों के संबंध में यही दृष्टिकोण अपनाते हैं. हम कुछ नीतियों या कार्रवाइयों के लिए गुहार लगाते हैं. जब मौजूदा सरकार लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान कर देती है, तो अपेक्षाओं के पैमाने को और भी ऊंचा उठा दिया जाता है. उपलब्धि की मान्यता और प्रति-तथ्यात्मक चिंतन अपर्याप्त होता है- निम्नतर किस्म की यथास्थिति को लेकर जड़ता सी होती है. प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), जो अपनी दसवीं वर्षगांठ मना रही है, के साथ भी कुछ ऐसा ही मामला है.

लंबे समय तक, हम करोड़ों भारतीयों के वित्तीय बहिष्करण का रोना रोते रहे. वर्ष 2014 में, तत्कालीन नयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने करोड़ों भारतीयों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल करने का एक महत्वाकांक्षी और चुनौतीपूर्ण कार्य प्रारंभ किया. यह प्रधानमंत्री जन धन योजना एक शानदार कामयाबी साबित हुई. इस सफलता को कुछ प्रमुख तथ्यों की रौशनी में देखा जा सकता है. इस योजना के 14 अगस्त 2024 तक 53.13 करोड़ लाभार्थी थे, जिनकी कुल जमा राशि 2.31 लाख करोड़ रुपये थी. इन लाभार्थियों में लगभग तीस करोड़ महिलाएं हैं. 'द डिजाइन ऑफ डिजिटल फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर- लेसंस फ्रॉम इंडिया' (बीआईएस पेपर्स नंबर 106, दिसंबर 2019) शीर्षक एक शोध पत्र में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के शोधकर्ताओं ने रेखांकित किया है, 'वर्ष 2008 में निम्न स्तर के वित्तीय समावेशन और औपचारिक पहचान को देखते हुए, एक दशक से कुछ अधिक समय पहले भारत के सामने बेहद कठिन चुनौतियां थी.

ऊपर उल्लिखित किये गये बैंक खातों से संबंधित आंकड़ों और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के साथ उनके संबंध के आधार पर एक मोटा अनुमान यह है कि अगर भारत पूरी तरह से विकास की पारंपरिक प्रक्रियाओं पर ही निर्भर रहा होता, तो 80 प्रतिशत वयस्कों को बैंक खातों से लैस करने का लक्ष्य हासिल करने में 47 साल लग जाते.' एक अन्य शोध पत्र ('बैंकिंग द अनबैंक्ड- व्हाट डू 280 मिलियन न्यू बैंक एकाउंट्स रिवील अबाउट फाइनेंसियल एक्सेस?', सितंबर 2023) से यह पता चलता है कि प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों ने वित्तीय बचत को सुरक्षित रखने में मदद की है क्योंकि चोरी की संभावना वाले इलाकों में इस योजना के खातों का अधिक उपयोग हुआ. इससे ऊंची ब्याज दर वसूलने वाले अनौपचारिक स्रोतों से उधार लेने की प्रवृति में भी गिरावट आय.

ऐसी दुनिया में जहां तत्काल राय बनाना अपवाद के बजाय आम चलन हो, टिप्पणीकारों ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत आने वाले खाते ज्यादातर शून्य-शेष (जीरो बैलेंस) वाले खाते हैं. लेकिन इन खातों में कुल जमा राशि 2.31 लाख करोड़ रुपये है. कोविड महामारी दौरान के इन खातों की उपयोगिता अतुलनीय साबित हुई. केंद्र सरकार ने इन खातों में लाभ सीधे हस्तांतरित किया. तीन वित्तीय वर्षों (वित्त वर्ष 2020 से लेकर वित्त वर्ष 2022) के दौरान, लगभग 8.1 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा किये गये. डिजिटल भुगतान से संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास के साथ, इसने महामारी के चरम समय के दौरान संपर्क-रहित (नो-टच) भुगतान की सुविधा प्रदान की.

एक नये अध्ययन ('डज ओपन बैंकिंग एक्सपैंड क्रेडिट एक्सेस?', अगस्त 2024) से पता चलता है कि इस योजना ने किसी भी वित्तीय संस्थान को ओपन बैंकिंग-ग्राहक की अनुमति से डेटा साझा करने की सुविधा प्रदान की है. खास तौर से, जन धन खातों ने अधिक संख्या वाले इलाकों में फिनटेक (वित्तीय तकनीक) की अगुवाई में ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी की है, और सस्ते एवं बेहतर इंटरनेट जुड़ाव वाले इलाकों में इसके प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक ठोस रहे हैं. 'खाता समेकन' (अकाउंट एग्रीगेशन) ओपन बैंकिंग की एक खासियत है. यह जनता को अपेक्षाकृत अधिक वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं तक पहुंचने में समर्थ बना रहा है.

प्रधानमंत्री जन धन योजना ने महिलाओं को अपना खुद का खाता मुहैया करा कर और उन खातों में पैसे उपलब्ध करा कर उन्हें सशक्त बनाया है. इस वित्तीय आजादी को माप पाना कठिन है, लेकिन यह बेहद महत्वपूर्ण है. भारतीय महिलाओं में आम तौर पर बचत की प्रवृत्ति अधिक होती है और समय के साथ, इसके परिणामस्वरूप परिवारों की वित्तीय सुरक्षा में बढ़ोतरी होगी और राष्ट्रीय बचत दर को बढ़ावा मिलेगा. यही नहीं, इससे देश में महिला उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा.

उल्लेखनीय है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने वाली सरकार की पहल 'स्टार्ट-अप इंडिया' और महिलाओं एवं अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों में उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजना 'स्टैंड-अप इंडिया' के जरिये उद्यमिता के प्रवाह में महिलाओं की भागीदारी काफी उत्साहजनक रही है. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत महिला उद्यमियों को लगभग 68 प्रतिशत ऋण स्वीकृत किये गये हैं और मई, 2024 तक 'स्टैंड-अप इंडिया' के तहत 77.7 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं. देश में 30 जुलाई 2024 तक उदयम और यूएपी पर पंजीकृत महिलाओं के स्वामित्व वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या 1.85 करोड़ से अधिक है.

यह परिकल्पना कि प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों ने महिलाओं को सशक्त बनाया है तथा स्व-रोजगार एवं उद्यमिता की दुनिया में उन्हें शामिल होने की सुविधा प्रदान की है, आकर्षक और औपचारिक रूप से जांच के योग्य है. हम एक बार फिर प्रति-तथ्यात्मक चिंतन की चुनौती की ओर लौटते हैं. प्रधानमंत्री जन धन योजना द्वारा खाताधारकों को प्रदान किये गये लाभों के साक्ष्य के आलोक में, प्रति-तथ्यात्मक विचारों की कल्पना करना बहुत कठिन नहीं है. यह अवश्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि जन धन योजना शुरू करने के दूरदर्शी निर्णय और कम समय में इसके सफल क्रियान्वयन के बगैर पिछले दशक में भारत की विकास संबंधी उपलब्धियां काफी कमतर होतीं.

आदिवासी जमीन की हो हिफाजत

झारखंड में अखंड बिहार के समय से ही आदिवासी समुदाय के लिए कई भूमि सुधार कानून बनाये गये. इनसे आदिवासी समुदाय को थोड़ा फायदा तो हुआ, पर जागरूकता के अभाव में कानून केवल हाथी का दांत बन कर रह गया है. राज्य में सबसे अधिक लूट आदिवासियों की जमीन की ही हुई है. झारखंड में भूमि की कई प्रकार की प्रकृति है, जिनमें एक भुईंहरी भूमि है. ऐसी जमीन पुराने रांची जिले में शामिल लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और खूंटी में है. आंकड़े बताते हैं कि 2,482 गांवों में भुईंहरी जमीन कभी आबाद थी. रांची के मोरहाबादी, बरियातु, कोकर, लालपुर, कांके, डोरंडा, हिनू, सिरोम, चुटिया, नामकुम, कटहलमोड़, दलादली, कोकड़, काठीटांड जैसे क्षेत्रों में राजधानी बनने के बाद से करीब 80 प्रतिशत भुईंहरी जमीन विलुप्त हो चुकी है।

अशोक भगत

जमीन घोटालों में कई प्रशासनिक अधिकारियों के नाम आये हैं, कार्रवाई हुई है और कई अधिकारी जेलों में भी बंद हैं. यह मामला झारखंड के लिए नासूर बनता जा रहा है. समय रहते इसे सुलझाया नहीं गया, तो भविष्य झारखंड के लिए खतरनाक हो सकता है. राज्य में आदिवासी जमीनों के इतिहास को जानने वालों की संख्या बहुत कम है. बहुत लोगों को तो यह भी नहीं पता कि भुईंहरी जमीन पर सरकार का अधिकार ही नहीं है. इस जमीन के बीसियों मालिक तक को नहीं पता कि उनकी जमीन कहां है, कितनी है और किस अवस्था में है. काश्तकारी कानूनों के जानकारों का मानना है कि जो आदिवासी कल तक मालिक थे, वे अपनी जमीन खोते जा रहे हैं और जमीन दलाल से लेकर व्यापारी तक उसी जमीन को बेच मालामाल हो रहे हैं.

झारखंड में अखंड बिहार के समय से ही आदिवासी समुदाय के लिए कई भूमि सुधार कानून बनाये गये. इनसे आदिवासी समुदाय को थोड़ा फायदा तो हुआ, पर जागरूकता के अभाव में कानून केवल हाथी का दांत बन कर रह गया है. राज्य में सबसे अधिक लूट आदिवासियों की जमीन की ही हुई है. झारखंड में भूमि की कई प्रकार की प्रकृति है, जिनमें एक भुईंहरी भूमि है. ऐसी जमीन पुराने रांची जिले में शामिल लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और खूंटी में है. आंकड़े बताते हैं कि 2,482 गांवों में भुईंहरी जमीन कभी आबाद थी. रांची के मोरहाबादी, बरियातु, कोकर, लालपुर, कांके, डोरंडा, हिनू, सिरोम, चुटिया, नामकुम, कटहलमोड़, दलादली, कोकड़, काठीटांड जैसे क्षेत्रों में राजधानी बनने के बाद से करीब 80 प्रतिशत भुईंहरी जमीन विलुप्त हो चुकी है. जानकारों की मानें, तो इन जमीनों के स्वामी उरांव व मुंडा हैं. रांची के शहरी क्षेत्र में करीब 80 प्रतिशत जमीन दोनों समुदायों के हाथ से निकल चुकी है. भुईंहरी जमीन के अधिकतर खतियानों के नामोनिशान भी मिटा दिये गये हैं. यह जमीन बिहार भूमि सुधार अधिनियम 1950 के दायरे में नहीं आती है. इस पर पूर्ण रूप से आदिवासी जमींदारों का हक है.

भुईंहरी जमीन वह है, जो जंगल को साफ कर खेती योग्य बनायी गयी. इस जमीन में ही एक भूत खेत यानी ग्राम देवता को समर्पित भूमि वाली प्रकृति की जमीन है. इसका उपयोग वे करते थे जो अपने मान्य देवता की पूजा करते थे. भूत खेत, जिसकी खेती सामान्यतः गांव वालों की सहायता से की जाती थी, इसकी अगुआई गांव के पाहन करते थे. ऐसे खेत की उपज का उपयोग ग्राम-देवताओं की पूजा में किया जाता है. सभी ग्रामीण मिल कर तीन वर्ष के लिए अपने पाहन का चुनाव करते हैं और भूत खेत भूमि की मिल्कियत परिवर्तित होती रहती है. यह व्यवस्था हर जगह हर तरह से चलायी जाती है. पहले तो इस क्षेत्र में लोग नहीं आते थे, क्योंकि भूमि समतल नहीं थी और सघन जंगल था, पर 19वीं सदी में छोटानागपुर में बसनेवालों की संख्या बढ़ने लगी. साल 1871 में गैर आदिवासियों की संख्या यहां मात्र 96,000 थी, लेकिन 1931 तक यह संख्या 3,07,000 हो गयी. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धाराओं की आड़ में शहरी भूमि का हस्तांतरण बाहर के समाज के लोगों द्वारा अपने समुदाय के गरीब लोगों की भूमि को औने-पौने भाव पर खरीद कर बड़ी इमारतों का निर्माण कराया गया है. सभी वर्गों के लोगों ने बिचौलियों व दलालों की मिलीभगत से अकूत संपदा अर्जित की है.

दरअसल, दक्षिण पठार के मैदानी इलाकों में उपनिवेशवादी प्रवृति वाले समूह द्वारा आदिवासी कृषि व्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर नियंत्रण 19वीं शताब्दी में ही प्रारंभ हो गया था. आदिवासी जमीनों पर पांव पसारने में 1869 के बाद ही गैर-आदिवासियों को कामयाबी मिली. आदिवासी जमीन की लूट के पीछे एक संगठित गिरोह काम करता है. इसमें वे स्थानीय आदिवासी नेता भी शामिल हैं, जो जमीन लूट का विरोध कर अखबारों की सुर्खियां बटोरते रहते हैं. झारखंड में केवल भुईंहरी जमीन की ही लूट नहीं हुई है. आदिवासियों की निजी जमीन भी लूटी जा रही है. पर सरकार और प्रशासन मौन साधे हुए है. कानून तो यहां तक है कि एक आदिवासी दूसरे क्षेत्र में जाकर जमीन नहीं खरीद सकता है, लेकिन यहां तो पूरे देश के गैर-आदिवासी आदिवासियों की जमीन खरीद रहे हैं. रांची में अधिकांश जमीन उरांव जनजाति की रही है. अब उसके पास खुद के बसने के लिए जमीन नहीं है. इस पूरे मामले में धार्मिक व सामाजिक संगठनों की भूमिका भी संदिग्ध है. जंगल, बालू, पानी, खनिज की लूट तो बड़ी लूट है, यहां तो निजी जमीन की भी लूट हो रही है. यदि यह नहीं रुका, तो झारखंड के 26 प्रतिशत आदिवासी बेदखल हो जायेंगे. मैं ऐसा कतई नहीं कहता कि बाहरी लोग न आएं, पर वे संस्कृति व व्यवस्था में योगदान के लिए आएं और प्रदेश को उन्नत बनाएं।

वर्ग पहेली 5480

1	2		3	■	■	4	5
6		■	7	8			
9		■	10		■		■
	■	11	■	■		12	13
14	15			■	16		
17			■	18	■	19	
■		■	20		21	■	■
22			■	23			

संकेत: बाएं से दाएं

1. हिंदी महासागर में स्थित इस दे ने 17 अक्टूबर 2009 को पानी के अंदर दुनिया की पहली कैबिनेट बैठक कर सभी राष्ट्रों को ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से आगाह करने की कोशिश की (4)
4. ये प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा दशरथ की पिता थे (2)
6. मणि, रत्न, अदद, संख्या (2)
7. नया जमाना, जागरण प्रकाशन का एक अखबार (5)
9. पुत्र, बेटा, सूरज (अंग्रेजी)(2)
10. एक राजनीतिक दल (2)
11. अक्टूबर 1988 का संक्षिप्त नाम (2)
12. घड़ा, गगरा (2)
14. पैरवी करना, वकील होने का भाव (4)
16. गाय का मल यह कहलाता है (3)
17. रमण कराना, अनुरक्त कराना या बनाना (3)
19. हस्तगत करना, ग्रहण करना (2)
20. मैथलीशरण गुप्त की एक प्रसिद्ध कृति (3)
22. यह फिलीपींस देश की राजधानी है (3)
23. दिल्ली की यह इमारत भारत के पांचवे मुगल बादशाह शाहजहां ने बनवाई थी (4)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की सतलुत नदी और असम की ब्रह्मपुत्र नदी इसी झील से निकलती है (6)
2. वे दिन जिनमें विवाह आदि के मुहुर्त निकाले जाते है, तल्लीनता (3)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर (6)
6. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म गुड्डी थी (2)
8. मुस्लिम संप्रदाय का एक प्रमुख त्यौहार (2)
11. विस्मरण करना, विस्मृत करना (3)
13. रिक्त स्थान की पूर्ति करना, उड़ेलना (3)
15. जयशंकर प्रसाद का प्रबंध काव्य (4)
15. मरीज, बीमार, जिसे रोग लगा हो (2)
18. परिवार हीनता, वैयक्तिकता, निर्जनता (3)
21. पेंदा, नीचे की सतह (2)

वर्ग पहेली 5479 का हल

ह	र	गो	विं	द	खु	रा	ना
रि	■	ल	ट	■	दा	ग	ना
द्वा	रा	■	र	जा	ई	■	ना
र	ज	त	■	या	■	रो	■
■	स्था	प	ना	■	दा	गी	■
सु	न	ना	■	भा	ला	■	अ
जा	■	■	बा	व	न	ग	जा
ता	रा	कं	द	■	■	ज	न

आरक्षण के स्वरूप में बदलाव जरूरी

प्रभु चावला

सहस्राब्दियों से जाति भारतीय मानस में पत्थर की तरह ठोस पैठ बना चुकी है. विडंबना ही है कि लोकतंत्र बनने के बाद भी भारत में भेदभाव की विरासत जारी रही. सामाजिक ढांचे को सिर के बल खड़ा कर दिया गया, पर जाति आधारित परिवारवाद भी बिना चुनौती के फलता-फूलता रहा. राजनीति एवं नौकरशाही में धनी एवं ताकतवर वंशगत विरासत इस व्यवस्था को पोषित करती रही है. पर बीते सप्ताह आया सर्वोच्च न्यायालय का एक निर्णय इस व्यवस्था को पटरी से उतार सकता है.

संसद, चुनाव एवं संस्थानों में जाति पर चल रहे वर्तमान शोर ने शीर्षस्थ न्यायालय के सात न्यायाधीशों की एक संवैधानिक पीठ ने उद्वेलित कर दिया. न्यायाधीश बीआर गवई के नेतृत्व में चार न्यायाधीशों ने रेखांकित किया कि जातिगत आरक्षण मेधा से संबंधित है, न कि नौकरशाही या धन तंत्र से. न्यायाधीश गवई ने लिखा है कि सरकार को अनुसूचित जाति एवं जनजाति में क्रीमी लेयर की पहचान के लिए नीति बनानी चाहिए, जिससे उन्हें आरक्षण के दायरे से हटाया जा सके. इसी उपाय से संविधान में निहित समानता को सही अर्थों में साकार किया जा सकता है. उन्होंने पूछा है कि क्या एक बड़े अधिकारी की संतान को पंचायत या जिला परिषद के विद्यालय में पढ़ रहे बच्चे के समकक्ष रखा जा सकता है.

यदि गीता भारत की आत्मा है, तो जाति इसका अभिशाप है. जो व्यवस्था सहस्राब्दियों पहले पेशेवर पहचान के रूप से प्रारंभ हुई, वह कालांतर में भ्रष्ट होकर चुनाव जीतने का एक पैंतरा बन गयी. जातिगत आरक्षण की शुरुआत लगभग 125 साल पहले हुई. अनुसूचित जातियों और जनजातियों की दुर्दशा को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने कार्यपालिका एवं विधायिका में प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की, जो एक अस्थायी प्रावधान था और उसकी अवधि दस वर्ष थी. भारतीय राजनीति को यथास्थिति पसंद है और इसे बदलाव से परहेज है. किसी दल ने उस प्रावधान में फेर-बदल नहीं किया है. उन्होंने जाति प्रथा को अपने चुनावी घोषणापत्र के लिए आरक्षित रखा है. आरक्षण का उद्देश्य स्वतंत्रता के बाद की पहली वंचित पीढ़ी के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर करना था. लेकिन वह अब तीसरी पीढ़ी का एक विशेषाधिकार बन गया है.

आरक्षण का आशय समानता लाने का एक माध्यम बनना था. अब यह सामाजिक अभिजन के अल्पाधिकार और एकाधिकार का युग्म बन गया है. सत्ता पर अपने हिस्से के नियंत्रण से दलित एवं पिछड़े शाहों ने एक विशिष्ट सुरक्षा घेरा बना लिया है, जिसमें निचले पायदान पर खड़े लोगों का प्रवेश वर्जित है. जब सत्ता ने अपने लाभ को सर्वोच्च बना लिया है, तो नियंत्रण एवं संतुलन के संवैधानिक सिद्धांत का हस्तक्षेप हुआ है. न्यायाधीश गवई ने रेखांकित किया है कि विषमता और सामाजिक भेदभाव, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत अधिक व्याप्त हैं, शहरी क्षेत्रों की ओर आते-आते कम होने लगते हैं. उन्होंने स्पष्ट कहा है कि अच्छे संस्थानों के छात्र तथा पिछड़े और दूर-दराज के क्षेत्रों में पढ़ रहे छात्र को एक ही श्रेणी में रखना संविधान के समता के सिद्धांत को भुला देना है.

न्यायाधीश पंकज मित्तल ने कहा है कि आरक्षण को पहली पीढ़ी या एक पीढ़ी तक सीमित रखा जाना चाहिए तथा अगर एक पीढ़ी ने आरक्षण का लाभ उठाकर उच्च हैसियत पा ली है, तो तार्किक रूप से अगली पीढ़ी को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए. यदि इस न्यायिक रुख को केंद्र और राज्य स्वीकार कर लेते हैं, तो अनुसूचित जाति एवं जनजाति के ऐसे परिवार को आरक्षण नहीं मिलेगा, जिसने इस व्यवस्था का लाभ पहले उठा लिया है.

आज का राशिफल

मेष

आज लाभ होगा। कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से लेन-देन न करें, वरना आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्च हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। वरना कोई मूल्यवान वस्तुएं चोरी हो सकती है।

वृषभ

आज लाभ और आनंद का दिन है। हर प्रकार के विवाद से दूर रहें और आपको अपने परिवार के साथ आनंद की प्राप्ति होगी। अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि हो सकती है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े विवाद से बचें।

मिथुन

आज लाभ होगा। कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से लेन-देन न करें, वरना आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्च हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें।

कर्क

आज आपके चारों ओर काम का माहौल बहुत शानदार रहेगा। आपके परिवार के सदस्यों में आपसी प्रेम बढ़ेगा। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा।

सिंह

आज भाग्य साथ देगा। आपके सुख और आनंद में वृद्धि होगी। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। आपको वाणी की सौम्यता और सम्मान से लाभ होगा। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सेहत के मामले में लापरवाही करना आपको भारी पड़ सकता है।

कन्या

आज करियर और रोजगार के मामले में सफलता से भरी होगा। आपको व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद में आपकी जीत हो सकती है।

तुला

आज करियर और रोजगार के मामले में सफलता से भरी होगा। आपको व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद में आपकी जीत हो सकती है।

वृश्चिक

आज भाग्य साथ देगा। आपके सुख और आनंद में वृद्धि होगी। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। आपको वाणी की सौम्यता और सम्मान से लाभ होगा। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सेहत के मामले में लापरवाही करना आपको भारी पड़ सकता है।

धनु

आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता और गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। शाम से लेकर रात तक आपको सांस्कृतिक और पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेने से लाभ होगा।

मकर

आज आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में प्रयास सफलत रहेंगे। आपको नीचे के कर्मचारियों से आदर और सहयोग भी मिलेगा। शाम के समय आप किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा।

कुंभ

आज करियर में सफलता के योग हैं। आपको कार्यक्षेत्र में सम?मान मिलने से मन प्रसन्न होगा। किसी मामले में शिक्षा और प्रतियोगिता में आशातीत सफलता मिलने से आपको खुशी होगी। मन में हर्ष होगा। शाम के समय कोई रुका कार्य पूर्ण होने की संभावना है। रात का वक?त आनंद और उत?साह में बीतेगा।

मीन

आज लाभ होगा और आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बने हैं। आपको आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। शाम से लेकर रात का वक?त परिवार के लोगों के साथ आनंद में बीतेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय जनता पार्टी के पुराने साथी दुष्यंत चौटाला उचाना कलां से लड़ेंगे चुनाव

जयपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व साथी और जननायक जनता पार्टी नेता दुष्यंत चौटाला ने अपनी सीट का ऐलान कर दिया है। चौटाला अपने गढ़ उचाना कलां से ही चुनाव लड़ने जा रहे हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि हरियाणा की इस हाईप्रोफाइल सीट पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है, क्योंकि बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र भी यहां से दावेदारी पेश कर सकते हैं। इधर, चौटाला मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर भी निशाना साध रहे हैं। रविवार को चौटाला ने ऐलान किया है कि वह 5 सितंबर को नामांकन दाखिल करेंगे। एक रैली के दौरान उन्होंने कहा, 5 सितंबर को उचाना कलां पार्टी कार्यालय में हवन होगा, जिसके बाद नामांकन दाखिल किया जाएगा। 2 अक्टूबर को उचाना कला अनाज मंडी में रैली का आयोजन होगा, जिसमें जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) नेता और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद मौजूद रहेंगे। चौटाला ने सीट को लेकर सीएम सैनी को भी कटी पतंग करार दिया है। उन्होंने कहा, कोई नहीं जनता कि वह करनाल में गिरेंगे, लाड़वा या नारायणगढ़ में गिरेंगे। मुझे हैरानी होती है कि हरियाणा और बीते 10 साल से केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को अपने ही नेताओं पर पूरा भरोसा नहीं है। कहा जा रहा है कि सैनी लाड़वा से चुनाव लड़ सकते हैं। फिलहाल, वह करनाल सीट से विधायक हैं। खास बात है कि जींद जिले की हिसार लोकसभा सीट के तहत आने वाली उचाना कलां सीट पर देवी लाल के चौटाला परिवार और बीरेंद्र सिंह के परिवार का दबदबा रहता है। बीरेंद्र ने इस सीट पर 2005, 1996, 1991, 1982 और 1977 में जीत हासिल की और 2014 में उनकी पत्नी प्रेम लता जीती। दुष्यंत चौटाला के पिता ओम प्रकाश चौटाला यहां से 2009 में विजयी रहे और खुद दुष्यंत 2019 में जीते।

ममता बनर्जी की टीएमसी को झटका, असम यूनिट के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने छोड़ी पार्टी

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की असम यूनिट के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया और दावा किया कि इस पूर्वोत्तर राज्य के लोग टीएमसी को पश्चिम बंगाल की एक क्षेत्रीय पार्टी मानते हैं और इसे अपना मानने के इच्छुक नहीं हैं। बोरा की घोषणा के बाद तृणमूल युवा कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष महबूब अली ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। अली ने कहा, निजी कारणों से मैं असम तृणमूल कांग्रेस की युवा शाखा के अध्यक्ष पद के साथ-साथ पार्टी से भी इस्तीफा दे रहा हूं। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को लिखे पत्र में पूर्व राज्यसभा सदस्य बोरा ने कहा कि उन्होंने पार्टी सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असम में टीएमसी को स्वीकार्य बनाने के लिए कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन पर कोई काम नहीं किया गया। बोरा ने अपने त्यागपत्र में कहा, टीएमसी की असम इकाई में काफी संभावनाएं हैं, लेकिन बार-बार सामने आने वाले कुछ मुद्दों ने हमारी प्रगति में बाधा उत्पन्न की है, जिसमें पार्टी को पश्चिम बंगाल की एक क्षेत्रीय पार्टी के रूप में देखना भी शामिल है। इस धारणा को दूर करने के लिए हमने कई सुझाव दिए थे। बोरा ने दावा किया कि उन्होंने टीएमसी के राष्ट्रीय स्तर पर एक असमिया नेता को शामिल करने, कोलकाता के टॉलीगंज में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका के आवास को एक विरासत स्थल घोषित करने और कूचबिहार में मधुपुर सत्र को एक सांस्कृतिक केंद्र में परिवर्तित करने का सुझाव दिया था। असम के पूर्व मंत्री बोरा ने कहा, इन चिंताओं को दूर करने के लिए आपसे (अभिषेक) और हमारी प्रमुख ममता दीदी से मुलाकात करने के लिए पिछले डेढ़ साल से मैंने लगातार प्रयास किया, लेकिन मैं असफल रहा हूं। बोरा ने कहा, इन चुनौतियों और समुचित समाधान के अभाव के मद्देनजर, मैं एक कठिन निर्णय लेने के लिए बाध्य हूं और मैंने खुद को टीएमसी से अलग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वह दो साल से अधिक समय तक टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और इस दौरान उन्होंने राज्य भर के लोगों के साथ व्यापक स्तर पर संवाद स्थापित किया है। बोरा ने असम में टीएमसी का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए ममता बनर्जी के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

आम आदमी पार्टी के पार्षद को किडनैप करने के आरोप पर भाजपा ने कहा, 'आप' में सर्कस चल रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि उनके पार्षद रामचंद्र को किडनैप कर लिया गया है। इस पर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि आप में सर्कस चल रहा है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, रामचंद्र अपने घर में बैठकर बोल रहे हैं कि कोई आदमी आया और उन्हें उठाकर ले गया। उस आदमी का कोई नाम होगा, फिर कहते हैं मुझे छोड़ दिया गया। छोड़ने वाला आदमी कौन है? क्या पुलिस में एफआईआर कराई गई। मुझे लगता है कि उनके सपने में अरविंद केजरीवाल आए होंगे। उन्होंने कहा होगा, उठो रामचंद्र झूठा वीडियो बनाओ। मालूम हो कि, आम आदमी के रामचंद्र सहित पांच पार्षद हाल ही में आप का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे। लेकिन, भाजपा में जाने के बाद रामचंद्र ने जल्द ही यू-टर्न ले लिया। वहीं, रविवार को आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि भाजपा ने पार्षद रामचंद्र को किडनैप करवाया है। आनन-फानन में दिल्ली स्थित आम आदमी पार्टी कार्यालय में विधायक दिलीप पांडेय ने प्रेस वार्ता की। दिलीप पांडेय ने कहा, आज दिल्ली में भाजपा के एक नेता ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर बवाना के वार्ड 28 से पार्षद रामचंद्र को उनके घर से किडनैप कर लिया। भाजपा का यह कारनामा दिल्ली की कानून व्यवस्था पर एक तमाचा है और इस तमाचे की गूंज भाजपा के एलजी के कानों में भी पहुंची होगी।

यूपीएस को लेकर दुविधा में दक्षिणी राज्य, चुनाव से पहले केरल, तमिलनाडु में मंथन

बेंगलुरू, एजेंसी। तमिलनाडु और केरल में अगले दो साल में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में दक्षिणी राज्य केंद्र द्वारा 24 अगस्त को घोषित एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) पर मंथन कर रहे हैं। फिलहाल दक्षिण के चार राज्य में विपक्षी पार्टियों की सरकार है और वे पहले से ही चुनाव-पूर्व गारंटी की घोषणाओं को वजह से आर्थिक बोझ से दबे हुए हैं। केरल और तमिलनाडु में 2026 में चुनाव होने हैं। वहीं कर्नाटक और तेलंगाना में पिछले साल विधानसभा चुनाव हुए थे जबकि आंध्र प्रदेश में अभी-अभी नई सरकार बनी है। यूपीएस सरकारी कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर एक सुनिश्चित पेंशन राशि प्रदान करता है। नियोक्ता जहां मूल वेतन और डीए का 18.5प्रतिशत योगदान देंगे वहीं कर्मचारी हर महीने मूल वेतन और डीए का 10प्रतिशत देंगे। यूपीएस पर स्विच करने का मतलब होगा कि राज्य अपना हिस्सा बढ़ाकर 18.5प्रतिशत कर देंगे।

हाल ही में कर्नाटक ने दो महीने से भी कम समय पहले सरकारी कर्मचारियों के वेतन में बड़ी वृद्धि की घोषणा की थी जिससे सालाना 20,206 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च होगा। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा जो जीएसटी परिषद में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हैं ने यूपीएस पर बात करते हुए बताया, हमें अभी पूरी जानकारी नहीं मिली है। हम इस पर सकारात्मक और खुले दिमाग से सोचेंगे। गौड़ा ने एनपीएस के बारे में कर्मचारी यूनियन की चिंताओं पर बात करते हुए कहा कि लोगों के प्रति अपने बड़े सामाजिक दायित्वों को पूरा करना सरकार का संवैधानिक दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह तय करना होगा कि बजटीय खर्च का कितना हिस्सा कर्मचारियों की लागत और लोगों की ओर खर्च किया जाना चाहिए।

कर्मचारी संघ कर रहे हैं ओपीएस की मांग : गौरतलब है कि राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत राज्य मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) का 14प्रतिशत योगदान करते हैं जबकि कर्मचारी हर महीने मूल वेतन और डीए का 10त्न योगदान करते हैं। हालांकि केरल अपनी खराब वित्तीय हालत की वजह से 10प्रतिशत का ही योगदान दे रहा है। वहीं कर्मचारी संघ पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को फिर से शुरू करना चाहते हैं। हालांकि इससे आर्थिक दबाव और बढ़ जायेगा।

केरल में समिति का गठन : मामले से परिचित लोगों ने बताया कि तमिलनाडु और कर्नाटक यूपीएस पर स्विच करने के फायदों का अध्ययन कर रहे हैं लेकिन बहुत कुछ कांग्रेस पार्टी के रुख पर निर्भर करता है। केरल के कानून मंत्री पी राजीव ने कहा कि उनके राज्य ने नई पेंशन योजना पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट की जांच के लिए मंत्रियों की एक समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा है कि यूपीएस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

सोशल मीडिया पर हर महीने 54 लाख खर्च करते हैं सिद्धारमैया, आरटीआई के जवाब में खुलासा

बेंगलुरु, एजेंसी। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) कथिक घोटाला मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां तक कि राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। इसी बीच एक आरटीआई के जवाब में पता चला है कि सीएम सिद्धारमैया सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करने के लिए 54 लाख रुपये खर्च करते हैं। वह इतना खर्च व्यक्तिगत और आधिकारिक दोनों अकाउंट्स के लिए करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आरटीआई एक्टिविस्ट मारलिंगा गौड़ा माली पाटिल ने आरटीआई डालकर जवाब मांगा था। उन्हें जब पता चला कि विकास के कई कार्यों के लिए सरकार के पास फंड नहीं है तो इसका पता लगाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्रियों की तुलना में सिद्धारमैया सोशल मीडिया पर बेहद कम खर्च करते हैं। इससे पहले के मुख्यमंत्री का यह खर्चा 2 करोड़ के करीब था। सरकारी एजेंसी कर्नाटक स्टेट मार्केटिंग कम्युनिकेशन ऐंड एडवर्टाइजिंग लिमिटेड (एमसीए) ने यह जानकारी दी है। पिछले साल 25 अक्टूबर से मार्च 2024 तक सीएमओ ने 3 करोड़ रुपये के आसपास खर्च किए हैं।

पति रिटायर हुए तो आईएएस पत्नी ने संभाल ली मुख्य सचिव की कुर्सी, शशि थरूर ने भी की तारीफ

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में आईएएस अधिकारी शारदा मुरलीधरन को राज्य की नई मुख्य सचिव बनाया गया है। उन्होंने अपने पति और आईएएस वी वेणु की ही जगह ली है। वी वेणु 31 अगस्त को रिटायर हो गए हैं। हैंडओवर सिरेमनी का वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इसकी तारीफ की है। उन्होंने कहा, भारत में पहली बार (जहां तक याद किया जा सकता है) केरल की रिटायर हो रहे चीफ सेक्रेटरी डॉ. वी वेणु ने अपना पद पत्नी शारदा मुरलीधरन को सौंपा है। दोनों ही 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वेणु की पत्नी सीनियॉरिटी के हिसाब से उनके बाद आती हैं।

शशि थरूर ने दावा किया कि भारत में पहली बार ऐसा हो रहा है। हालांकि बीते महीने ही कर्नाटक में आईएएस शालिनी रजनीश ने अपने पति की कुर्सी संभाली है। उनके पति आईएएस रजनीश गोयल कर्नाटक के मुख्य सचिव थे। 31 जिलाई को रिटायर होने के बाद उन्होंने कुर्सी पत्नी और 1989 बैच की शालिनी रजनीश को सौंप दी। शालिनी रजनीश भी ऐसी दूसरी नौकरशाह हैं जिन्होंने कर्नाटक में अपने पति के बाद चीफ सेक्रेटरी का पद संभाला है। इससे पहले साल 2000 में बीके भट्टाचार्या ने रिटायरमेंट के बाद पत्नी तेरेसा भट्टाचार्या को कुर्सी हैंडओवर की थी।

केरल सरकार ने 21 अगस्त को मुरलीधरन की नियुक्ति की पुष्टि की थी। शारदा मुरलीधरन केरल सरकार में ही अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना और आर्थिक मामले) के पद पर काम कर रही थीं। वी वेणु और पत्नी शारदा मुरलीधरन 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वी वेणु उम्र में मुरलीधरन से कुछ महीने बड़े थे। अगले आठ महीने तक मुरलीधरन इस पद पर बनी रहेंगी।

हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर बोले रजनीकांत, माफ कीजिएगा मुझे कुछ पता नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने पूरे साउथ फिल्म इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया है। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न और शोषण के बार में बताया गया है, जिसने पूरे देश को चौंका दिया। वहीं अभिनेता मोहनलाल, ममूटी और जयसूर्या के बाद अब साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत ने हेमा समिति रिपोर्ट मामले पर रिएक्ट किया है। सोशल मीडिया पर थलाइवा रजनीकांत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जो सभी के बीच चर्चा में बना हुआ है। रविवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर रजनीकांत को प्रेस से बात करते देखा गया। पत्रकार को उनकी कार के पास आकर उनकी अपकमिंग फिल्म कुली के अलावा हेमा समिति रिपोर्ट को लेकर हो रहे विवाद के बारे में पूछा। वीडियो में देखने को मिलता है कि साउथ के थलाइवा रजनीकांत हर विषय पर खुशी से बात करते दिखाई देते हैं, लेकिन हेमा कमेटी की रिपोर्ट के बारे में जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मुझे कुछ भी पता नहीं था, माफ कीजिए। पॉलिमर न्यूज द्वारा शेयर किए गए वीडियो में, जब अभिनेता से पूछा गया कि क्या तमिल फिल्म इंडस्ट्री में शोषण की जांच के लिए भी ऐसी ही समिति बनाई जानी चाहिए।

कांग्रेस लाएगी जनता का मेनिफेस्टो : 20 लाख लोगों के घरों तक पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता

चंडीगढ़, एजेंसी। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस जनता का घोषणापत्र तैयार कर रही है। हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत घोषणा पत्र बनाने के लिए कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर पहुंच रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब तक 20 लाख घरों तक पहुंच चुके हैं और उनसे घोषणा पत्र के लिए सुझाव प्राप्त कर चुके हैं। असल में हरियाणा मांगे हिसाब के तहत घर-घर तक पहुंचाने के लिए 90 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस ने कॉर्डिनेटर्स और को-कॉर्डिनेटर्स नियुक्त किए थे। जिन्होंने. पिछले दो महीनों में स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर घर-घर जाकर जनसंपर्क करने की जिम्मेदारियां सौंपी थी। बताया गया है कि अभियान की मॉनिटरिंग के लिए विधानसभा स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं।

भाजपा सरकार के खिलाफ चार्जशीट भी पहुंचाई: अभियान के साथ ही कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी सरकार के खिलाफ चार्जशीट भी जारी की थी। जिसमें बीजेपी सरकार की नाकामियों को गिनाया गया है। इस चार्जशीट को भी हरियाणा के कोने कोने में पहुंचाया गया है। शहरों के भीड़भाड़ वाले बाजारों और गांव की चौपालों से लेकर मोहल्लों की गलियों और नुक्कड़ों तक चार्जशीट को पहुंचाया गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक घर, स्थानीय हाट, मंडियों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, और सामुदायिक केंद्रों पर पहुंच कर हर हरियाणवी तक अपनी बात पहुंचाई है।

मिस्ड कॉल नंबरों से भी सुझाव और शिकायतें सुनी गईं: वहीं सुझाव पेटी, सुझाव वाहन, वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मिस्ड कॉल नंबरों के माध्यम से लोगों की शिकायतें और सुझाव एकत्र किए गए हैं। यह सुनिश्चित किया गया कि हर आवाज सुनी जाए और हर पीड़ा पर ध्यान दिया जाए। बताया गया है कि ?प्रत्येक विधानसभा में 50,000 से अधिक प्रचार सामग्री वितरित की गई। कुल मिलाकर 15 लाख सुझाव घर-घर जाकर, नुक्कड़ सभाओं

और दीपेंद्र सिंह हुड्डा की यात्रा के माध्यम से एकत्र किए गए। जबकि 5 लाख सुझाव ऑनलाइन और टोल-फ्री नंबरों से लिए गए, जो व्यापक जन भागीदारी को दर्शाते हैं।

हरियाणा की जनता के लिए गारंटी: कांग्रेस नेताओं ने बताया है कि युवाओं, महिलाओं, किसानों, बुजुर्गों, मजदूरों, कारीगरों, प्रवासी श्रमिकों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूह, दुकानदारों, व्यापारियों, खिलाड़ियों, छात्रों, शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों, अंतिम पंक्ति में बैठे समुदायों और वंचितों के सुझावों के आधार पर यूं कहें कि प्रत्येक हरियाणवी के सुझाव के आधार पर कांग्रेस जारी करेगी जनता का घोषणा पत्र और हरियाणा की जनता के लिए गारंटी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव : सुनीता केजरीवाल ने लोगों को दी पांच गारंटी

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को हरियाणा के कई विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने हरियाणा के लोगों को मुफ्त बिजली, शानदार सरकारी स्कूल बनाकर बच्चों को मुफ्त शिक्षा, मोहल्ला क्लिनिक और अस्पताल, जहां मुफ्त इलाज होगा, महिलाओं को 1000 रुपए महीना सम्मान राशि व युवाओं को रोजगार देने की गारंटी दी। उन्होंने बाढ़डा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बदलाव जनसभा में कहा, हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल शेर हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे न झुकेंगे न टूटेंगे। अरविंद दिल्ली के मुख्यमंत्री बने और उन्होंने देश की राजनीति को बदल दिया। उन्होंने जनता के लिए काम किया और इसलिए उन्हें जेल में डाल दिया गया। सुनीता ने कहा, भाजपा को विपक्षी पार्टियों को तोड़ना और नेताओं को जेल में डालना आता है, लेकिन हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल टूटने वाले नहीं हैं।

हरियाणा में भाजपा को 10 साल हो गए, लेकिन यहां बच्चों की शिक्षा में कोई सुधार नहीं हुआ। सरकारी अस्पताल और इलाज में कोई बदलाव नहीं आया। यहां कुछ नहीं होता। लेकिन, मैं आपसे वादा कर रही हूं दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है। इन दोनों राज्यों में सरकारी स्कूल और अस्पताल अच्छे बन गए। 24 घंटे बिजली आती है। मोहल्ला क्लिनिक में मुफ्त इलाज और दवाएं मिलती हैं। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा का इंतजाम है। अब दोनों ही राज्यों में महिलाओं को 1000 रुपए हर महीने मिलने वाले हैं। यह सब काम हरियाणा के लोगों के लिए आम आदमी पार्टी करेगी। इसलिए, इस विधानसभा चुनाव में आप के उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताना है। बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने का दावा कर रही है, वहीं, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का दावा है कि प्रदेश में अपने दम पर उनकी पार्टी सरकार बन रही है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं हुईं कम : आरपी सिंह

जम्मू, एजेंसी। चुनावी राज्य जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने रविवार को आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं कम हुई हैं। वह जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर थे, जिसमें मलिक ने कहा था कि उनके समय घाटी में आतंकवादी हमले नहीं होते थे। इस पर आरपी सिंह ने कहा कि मलिक को शायद जानकारी नहीं है कि उनके समय में तो वहां पत्थरबाजी और हड़तालें भी होती थीं। आरपी सिंह ने कहा कि घाटी में आज आतंकी हमलों, नागरिकों की हत्या और एनकाउंटर में कमी आई है। मलिक राजनीतिक एजेंडे के तहत बयान देते हैं।

सत्यपाल मलिक द्वारा भाजपा सांसद कंगना रनौत को राजनीति में नाबालिग कहने पर आरपी सिंह ने कहा कि कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा सीट से चुन कर आई हैं। लोगों ने उनको अपना सांसद बनाया है। ऐसे में मालिक को इस तरह की बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। कंगना को लेकर जो चिंता करनी है, वो हमारी पार्टी करेगी, उनको इसके बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने दिल्ली की आप

सरकार पर हमला करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता, केजरीवाल सरकार से त्रस्त हो चुकी है। काठ की हांडी गलती से दो बार चढ़ चुकी है, तीसरी बार नहीं चढ़ेगी। आरपी सिंह ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लोग घर-घर चलो कैंपेन कर रहे हैं। लेकिन, अफसोस है कि अब तक ये लोग क्या कर रहे थे? दिल्ली के लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी की दुर्गति को देख ली है। जब बारिश आई, तो बच्चे पानी में डूब गए, सड़कें टूटी हुई हैं। जब गर्मियां थी, तो लोगों को पीने का पानी नहीं म?िल रहा था। दो महीने बाद जब सर्दियों का सीजन आएगा, तो प्रदूषण के कारण लोगों को दिक्कत होगी। दिल्ली की सरकार पूरी तरह से विफल हो गई है।

तेलुगू फिल्मों का सुपरस्टार पवन कल्याण, बने आंध्र की सियासत का नए किरदार?

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्टिंग की दुनिया से सियासत के रंगमंच पर दमदार मौजूदगी दर्ज कराने वाले पवन कल्याण इस साल के सबसे पॉपुलर और सुपरहिट पॉलिटिकल किरदार बनकर उभरे है। उनका सियासी कद तब और बढ़ गया, जब आंध्र प्रदेश में एनडीए की अप्रत्याशित जीत के बाद पीएम मोदी ने उन्हें ये पवन नहीं आंधी हैं कहा था। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बादशाह पवन कल?याण का असली नाम कोनिडेला कल्याण बाबू हैं। वो टॉलीवुड के नाम से मशहूर तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री के मेगा परिवार से वास्ता रखते हैं। सुपरस्टार चिरंजीवी के छोटे भाई हैं। अभिनय के क्षेत्र में नाम और शोहरत कमाने के बाद पवन कल्याण ने अपने बड़े भाई चिरंजीवी के साथ अपने सियासी सफर की शुरूआत की थी, जिन्होंने 2008 में प्रजा राज्यम पार्टी की स्थापना की थी। लेकिन 2009 के चुनावों में पार्टी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई और 2011 में प्रजा राज्यम पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया। जिसके बाद पवन कल?याण ने सियासत की मुख्याधारा से खुद को अलग कर लिया। सियासी दुनिया के अलग होने के बाद भी पवन कल्याण

आंध्र प्रदेश की सियासत में अपने लिए राजनीति संभावनाओं की तलाश में जुटे रहे। साल 2014 में पवन कल्याण ने जनसेना पार्टी की स्थापना की लेकिन चुनावी समर में किस्मत नहीं आजमाई। उस दौराम उन्होंने टीडीपी और बीजेपी का समर्थन दिया था। वहीं 2019 के चुनाव में उन्होंने अकेले दम पर चुनाव लड़ा लेकिन कोई खास कमाल करने में विफल रहे। सियासी करियर में तमाम उतार चढ़ाव को पार करते हुए पवन कल्याण ने 2024 के विधानसभा चुनाव में बुलंदी का झंडा गाड़ दिया। लोकसभा विधानसभा चुनावों में उन्होंने एनडीए के पक्ष में आंध्र प्रदेश में सुनामी ला दी। उनकी पार्टी ने टीडीपी और बीजेपी से गठबंधन करते हुए 21 विधानसभा सीटों पर जीत का परचम लहराया। नतीजतन उन्हें आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम की कमान सौंपी गई। खास बात यह है कि विधानसभा के साथ लोकसभा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा ली है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी के दो सांसद जीत कर देश की सबसे बड़ी पंचायत में पंहुच चुके है। ऐसे में 100 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ पवन कल्याण ने देश की सियासत में एक नया इतिहास रचने का काम किया है। करीब दो दशक तक फिल्मी दुनिया में सक्रिय रहने वाले पवन कल्याण तेलुगू सिनेमा के सबसे चमकदार सितारों में से एक हैं, जिनकी दीवानगी दक्षिण भारतीय फ़िल्म जगत में रजनीकांत के बराबर मानी जाती है। उन्होंने साल 1996 में अक्कड़ अम्माई लक्कड़ से अपना डेब्यू किया था। ठोली प्रेमा के लिए उन्हें 1998 में राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 2013 में फोर्ब्स इंडिया ने 100 प्रमुख सेलिब्रिटी की लिस्ट निकाली। इन सौम में पवन कल्याण भी शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

निषाद ने भारत को दिलाया रजत पदक, स्वर्ण से चूकने का अफसोस

नईदिल्ली, एजेंसी। निषाद कुमार ने ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात भारत को रजत पदक दिलाया। हालांकि, निषाद को स्वर्ण से चूकने का अफसोस भी रहा। इस ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में अमेरिका के खिलाड़ी को स्वर्ण पदक मिला। अमेरिका के टाउनसेंड रोडेरिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पेरिस में सफलता के बाद लगातार दो पैरालंपिक पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय होने का गौरव निषाद के नाम हो गया है। पैरालंपिक ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में निषाद कुमार ने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी रोडेरिक को कड़ी टक्कर दी। निषाद ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भी रजत पदक अपने नाम किया था। पेरिस पैरालंपिक में निषाद ने रजत जीतने के बाद खेल भावना की शानदार मिसाल पेश की। उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी की सुनहरी कामयाबी पर बांहों में भरकर बधाई दी। कांटे की टक्कर में निषाद दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी ने इस सीजन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

स्वर्ण पदक से चूकने का अफसोस

भारत को पदक दिलाने की खुशी के साथ-साथ निषाद को स्वर्ण से चूकने का अफसोस भी रहा। उन्हें तीसरे प्रयास में असफल होने के बाद भावुक भी देखा गया। इस स्पर्धा का कांस्य पदक मार्गिएव जॉर्जी ने जीता। पैरालंपिक रिकॉर्ड के मुताबिक उन्होंने किसी देश की तरफ से शिरकत नहीं की है। जॉर्जी ने तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर पेरिस पैरालंपिक 2024 में भाग लिया। खेल भावना की बेमिसाल तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों खिलाड़ियों की जमकर सराहना की।

प्रीति पाल ने महिला 200 मीटर में जीता कांस्य, पेरिस पैरालंपिक में दूसरा मेडल

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रीति ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 30.01 सेकेंड में दौड़ पूरी की और पोडियम स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। उन्होंने पेरिस में अपना दूसरा पदक जीता और इसी के साथ भारत के कुल छह पदक हो गए हैं।

भारतीय पैरा एथलीट प्रीति पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रीति ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 30.01 सेकेंड में दौड़ पूरी की और पोडियम स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। प्रीति का पेरिस पैरालंपिक में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 100 मीटर टी35 वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया था। 23 वर्षीय प्रीति का कांस्य पदक पेरिस में भारत का दूसरा पैरा एथलेटिक्स पदक भी है। इससे पहले प्रीति ने ही 100 मीटर स्पर्धा में भी पदक जीता था। टी35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनमें हाइपरटोनिया, अटैक्सिया और एथेटोसिस जैसी समन्वय संबंधी विकार होते हैं।

इंग्लैंड वर्सेस श्रीलंका :

गस एटकिंसन का पंजा, श्रीलंका ने 190 रन से गंवाया दूसरा टेस्ट

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड ने रविवार को लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में चौथे दिन ही श्रीलंका को 292 रन पर सिमेटकर 190 रन से जीत हासिल कर ली है। जीत के लिए विश्व-रिकॉर्ड 483 रन का पीछा करते हुए श्रीलंका ने चाय के विश्राम तक सात विकेट पर 260 रन बनाए थे लेकिन तीसरे सेशन में जैसे ही वह खेलने के लिए आए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने पारी को सिमेटने में वक्त नहीं लगाया।

श्रीलंका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 53 रन पर करने के बाद रात्रि प्रहरी प्रभात जयसूर्या (चार) का विकेट जल्दी ही गवां दिया। वह क्रिस वोक्स की गेंद पर दूसरे स्लिप में लपके गये। करुणारत्ने और एंजेलो मैथ्यूज (36) ने इसके बाद 55 रन की साझेदारी कर पारी को संवारा। करुणारत्ने टेस्ट में 54वीं बार अर्धशतक लगाने के बाद ओली स्टोन की उछाल लेती गेंद को संभालने में विफल रहे और गेंद उनके दस्तानों से टकराकर विकेटकीपर जैमी स्मिथ के हाथों में चली गई।

लंच के विश्राम के बाद मैथ्यूज संभल कर बल्लेबाजी की जबकि दिनेश चांदीमल (58) ने आक्रामक रूख अपनाया। शोएब बशीर ने दोनों के बीच 59 रन की साझेदारी को मैथ्यूज को आउट कर तोड़ा। मैथ्यूज कवर क्षेत्र में वोक्स को आसान कैच देकर पवेलियन लौटे। पहली पारी में शतक लगाने वाले गस एटकिंसन ने इसके बाद चांदीमल और कामिंदु मेंडिस (चार) को चलता कर इंग्लैंड की जीत लगभग पक्की कर दी। चाय के बाद श्रीलंका टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिया। गस एटकिंसन ने 62 रन देकर पांच विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो गई है। इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह मैनचेस्टर में श्रृंखला का पहला मैच पांच विकेट से जीता था। श्रृंखला का तीसरा मैच शुक्रवार से द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

सुमित नागल स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से हटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल पीठ की चोट के कारण स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले से सोमवार को हट गए। नागल हाल ही में अमेरिकी ओपन में अपने पहले दौर के एकल मुकाबले में टालोन ग्रिक्सपुर से हार गए थे। भारत और स्वीडन के बीच स्टॉकहोम में इनडोर हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता 14-15 सितंबर को खेली जाएगी। नागल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए वास्तव में उत्सुक था। उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि पीठ में दर्द की समस्या पिछले कुछ सप्ताह से परेशान कर रही है।

डॉक्टरों ने मुझे अगले दो सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है, जिससे मेरे पास तैयारी करने और स्वीडन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैंने इसी समस्या के कारण अमेरिकी ओपन में युगल मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया था। मैं डेविस कप मुकाबले से चूकने को लेकर बहुत निराश हूं, लेकिन पीठ की स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिए मुझे अपने शरीर के मुताबिक काम करना होगा ताकि मैं सीजन को मजबूत और स्वस्थ तरीके से समाप्त कर सकूं। भारतीय टीम को शुभकामनाएं। मैं घर से आप सभी की हौसला अफजाई करुंगा।

नागल जुलाई में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 68 पर पहुंच गए थे लेकिन नवीनतम रैंकिंग में गिरकर 82 पर आ गए हैं। भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी का डेविस कप मुकाबले का हिस्सा नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन आशुतोष सिंह को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

साइना नेहवाल संन्यास लेने पर कर रही विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दिग्गज शटलर और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने खुलासा किया है कि वह गठिया की समस्या से जूझ रही हैं और इस साल के अंत तक उन्हें बैडमिंटन में अपने भविष्य के बारे में फैसला करना होगा, क्योंकि इस बीमारी के कारण उनके लिए सामान्य घंटों तक प्रशिक्षण लेना असंभव हो गया है। 34 वर्षीय पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी, जो लंदन 2012 में कांस्य पदक के साथ ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर थीं, ने चोटों से परेशान होने से पहले खेलों के तीन संस्करणों में भाग लिया था।

2010 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि वह अब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं कि उनका करियर अपने अंतिम चरण में है। नेहवाल ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भारत के शेफ-डी-मिशन रहे निशानेबाज़ गगन नारंग द्वारा होस्ट किए गए 'हाउस ऑफ ग्लोरी' पॉडकास्ट पर कहा, घुटना बहुत अच्छा नहीं है। मुझे गठिया है। मेरी कार्टिलेज बहुत खराब स्थिति में है। 8-9 घंटे तक जोर लगाना बहुत मुश्किल है। आप ऐसी स्थिति में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को कैसे चुनौती देंगे? मुझे लगता है कि मुझे कहीं न कहीं इसे स्वीकार करना ही होगा। क्योंकि दो घंटे की ट्रेनिंग उच्चतम स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नेहवाल ने कहा कि वह अभी भी इस बात पर विचार कर रही हैं कि रिटायरमेंट का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अंततः निर्णय लेना ही होगा। अग्रणी स्टार, जो अब भाजपा की सदस्य भी हैं, को आखिरी बार एक साल से अधिक समय पहले सिंगापुर ओपन में एक्शन में देखा गया था, जहां वह शुरुआती दौर में हार गई थीं। उन्होंने कहा, %मैं इसके (संन्यास) बारे में भी सोच रही हूं। यह दुखद होगा क्योंकि यह एक सामान्य व्यक्ति द्वारा की जाने वाली नौकरी की तरह है। जाहिर है, एक खिलाड़ी का करियर हमेशा छोटा होता है। मैंने 9 साल की उम्र में शुरुआत की थी। अगले साल मैं 35 साल की हो जाऊंगी। नेहवाल ने कहा, मेरा करियर भी लंबा रहा है और मुझे इस पर बहुत गर्व है।

मैंने अपने शरीर को काफी हद तक तोड़ दिया है। मैंने जो किया है और जो कुछ भी दिया है, उससे मैं खुश हूं। (मैं) इस साल के अंत तक आकलन करूंगी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।% पद्म श्री पुरस्कार विजेता ने कहा कि ओलंपिक में भाग लेना उनका बचपन का सपना था और लगातार दो संस्करणों में पदक से चूकना दुखद है। उन्होंने कहा, ओलंपिक में भाग लेना सभी के लिए बचपन का सपना होता है।

पैरालंपिक 2024

योगेश कथुनिया ने डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में लगातार दूसरी बार जीता सिल्वर मेडल

पेरिस (एजेंसी)। भारत के योगेश कथुनिया ने सोमवार को यहां चल रहे खेलों में पुरुषों की डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपना लगातार दूसरा पैरालंपिक रजत पदक जीता।

29 वर्षीय ने अपने पहले ही प्रयास में 42.22 मीटर तक डिस्कस फेंका, जो उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो पैरालिंपिक में जीते रजत में शामिल है। ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता डॉस सैंटोस ने अपने पांचवें प्रयास में 46.86 मीटर के प्रयास के साथ नया खेलों का रिकॉर्ड बनाते हुए पैरालंपिक स्वर्ण पदकों की हैट्रिक दर्ज की। ग्रीस के कोंस्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 41.32 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

एफ-56 दिव्यांग एथलीटों के लिए एक सीटिंग फील्ड इवेंट वर्ग है। इस वर्गीकरण में अंग विच्छेदन और रीढ़ की हड्डी की चोट वाले लोग भाग लेते हैं।

16 साल के गेंदबाज ने किया कमाल, मैच में 10 विकेट लेकर तोड़ दिया 159 साल पुराना रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के उभरते हुए ऑफ स्पिनर फरहान अहमद ने अपनी फिरकी का ऐसा जादू चलाया कि फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 159 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। फरहान ने 16 साल की उम्र में मैच में 10 विकेट अपने नाम किए।

इंग्लैंड के लिए काउंटी क्रिकेट में 16 साल के ऑफ स्पिनर फरहान अहमद ने इतिहास रच दिया। फरहान ने नॉटिंघमशायर के लिए सरे के खिलाफ दोनों पारियों को मिलाकर कुल 10 विकेट लिए। इसके साथ ही फरहान फर्स्ट क्लास क्रिकेट के एक मैच में 10 विकेट लेने वाले दुनिया सबसे युवा गेंदबाज बन गए हैं। हालांकि, उनके दमदार प्रदर्शन के बावजूद नॉटिंघमशायर और सरे के बीच मुकाबला ड्रॉ पर छूटा।

मैच में 10 विकेट लेने वाले सबसे युवा बॉलर बने फरहान

काउंटी क्रिकेट में नॉटिंघमशायर के लिए खेलते हुए फरहान अहमद ने सनसनी मचा दी। फरहान ने अपनी फिरकी का ऐसा जादू चलाया कि सरे के बल्लेबाजों का सिर चकरा गया फरहान ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट के एक मैच में 10 विकेट लेकर 159 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया और वह ऐसा करने वाले दुनिया के सबसे यंग बॉलर बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने ह्वुल ग्रेस के रिकॉर्ड को तोड़ा है जिन्होंने 1865 में यह कारनामा किया था।

गत चैंपियन कोको गॉफ अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। गत चैंपियन कोको गॉफ का अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान चौथे दौर में ही थम गया। तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 19 डबल फॉल्ट किए जिसका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा और वह एम्मा नवारो से 6-3, 4-6, 6-3 से हार गईं।

गॉफ का पिछली कुछ प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह पेरिस ओलंपिक के तीसरे दौर में हार गई थी जबकि अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले गए टूर्नामेंट में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि इसे सकारात्मक रूप में लिया। गॉफ ने कहा, 'भले ही कुछ परिणाम अनुकूल नहीं रहे लेकिन मैंने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। कितने ही खिलाड़ी हैं जो चौथे दौर में पहुंचाना चाहते हैं और ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहते हैं। कई खिलाड़ी हैं जो ध्वजवाहक बनना चाहते हैं। यह इस परिप्रेक्ष्य में है।

यह परिणाम शुक्रवार को मौजूदा पुरुष चैंपियन नोवाक जोकोविच की तीसरे दौर में हार के बाद आया है। इसका मतलब है कि अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने में असफल रहने का पिछले कुछ वर्षों से चला आ रहा सिलसिला जारी रहेगा। महिला एकल में ऐसा करने वाली आखिरी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थी जिन्होंने 2012 से 2014 तक खिताब जीते थे। पुरुष वर्ग में ऐसा कारनामा रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक किया था।

जोकोविच को हराने वाले 28 वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन का सफर भी लंबा नहीं चल पाया और वह फ्रांसिस टियाफो से 6-4, 7-6 (3), 2-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। टियाफो का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने एंड्री रुबलेव को 6-3, 7-6 (3), 1-6, 3-6, 6-3 से हराया। टेलर फ्रिट्ज भी आगे बढ़ने में सफल रहे। उन्होंने तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से हराया।

महाराजा ट्रॉफी टी20

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज ने किया कमाल, केवल छक्कों से ठोक दिए 312 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में घरेलू टी20 लीग महाराजा ट्रॉफी टी20 का खिताब रविवार (1 सितंबर) को मैसूर वॉरियर्स ने बेंगलुरु ब्लास्टर्स को हराकर अपने नाम किया।

शिवमोग्गा लायंस की टीम ने अच्छा नहीं किया और वह अंक तालिका में 5वें नंबर पर रही, लेकिन उसके बल्लेबाज अभिनव मनोहर ने शानदार बल्लेबाजी की। इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस के हिस्सा दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बल्ले से गदर काट दिया। वह करुण नायर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। अभिनव मनोहर ने आईपीएल में 19 मैच की 15 पारी में 16.5 की औसत और 132.76 की स्ट्राइक रेट से 231 रन बनाए हैं। उन्होंने 21 चौके और 10 छक्के लगाए हैं। ये आंकड़े उनकी काबिलियत के हिसाब से नहीं हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सितारों से भरे आईपीएल में उन्हें अवसर पर्याप्त नहीं मिलता।

महाराजा ट्रॉफी टी20 में उन्होंने दिखाया कि वह कितने विस्फोटक बल्लेबाज हैं। मनोहर ने 10 पारियों में 196.51 की स्ट्राइक रेट और 84.50 की औसत से 507 रन बनाए। अभिनव मनोहर ने 507 में से 312 रन केवल छक्के से बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने 19 चौके भी लगाए हैं। बाउंड्री से उन्होंने 388 रन बनाए हैं। मनोहर अपनी पावर हिटिंग का राज बताते हुए कहते हैं कि वह भाग्यशाली हैं कि उनमें बहुत छोटी उम्र से ही+ छक्के मारने की क्षमता है। उ

न्होंने बताया कि बगैर जोर लगाए बाउंड्री पार करने के पीछे क्या कारण है।

हर सत्र में 300 गेंद का सामना और 150 छक्के ठोकना

अभिनव ने कहा, मैं खूब प्रैक्टिस करता हूं। हर सत्र में 300 गेंद का सामना करता हूं और स्पिनर, तेज गेंदबाज, साइड आर्म और थ्रो डाउन पर 150 छक्के लगाता हूं। इसका अब फायदा मिल रहा है। जब छक्के मारने की बात आती है, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ खुद पर भरोसा करता हूं क्योंकि मुझे पता है कि मैं कोई भी बाउंड्री पार कर सकता हूं। पिछले कुछ सालों में मैंने खुद पर उतना भरोसा नहीं किया जितना मैं चाहता था, लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद पर थोड़ा ज्यादा भरोसा कर रहा हूं।

10 वर्ष से अधिक समय एक ही जनपद पंचायत में पदस्थ उपयंत्रियों को सीईओ जिला पंचायत ने बदला

सेक्टर बनाकर उपयंत्रियों को किया गया पदस्थ, कार्यवाही विकास कार्यो को गुणवत्तापूर्ण कराये जाने को लेकर जानी जा रही

पन्ना। पहली बार बड़े स्तर पर उपयंत्रियों का फेरबदल जिले के अंदर ही जनपद पंचायतों में बदलकर किया गया है। सायद इसके पीछे मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ जिला पंचायत की मंशा यह मानी जा रही है। कि जो भी उपंयत्री 10 वर्ष से अधिक एक ही जनपद पंचायत में कार्य कर रहे थे निश्चितौर पर ऐसे उपयंत्री पंचायतों में अपनी दखल स्थानीय स्तर हालात जैसे कायम करके प्रभावशील स्वयं को स्थापित करते हुए विकास कार्यों में कहीं न कहीं इनकी भूमिका अलग ही तय होने लगी थी जिसके चलते 10 वर्ष लगातार एक ही जनपद में पदस्थ थे जो उपयंत्री ऐसे उपयंत्रियों का अन्य जनपद में सेक्टर आंवटित किये गये हैं। यह समूचे जिले में उपयंत्रियों को लेकर एक बड़ी कार्यवाही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीसंघप्रिय के द्वारा की गई है। जिला पंचायत पन्ना अंतर्गत प्रगतिरत सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एवं कार्यों को समय सीमा में पूर्ण

कराना लक्ष्य के साथ उपयंत्रियों को कार्यों की सतत निगरानी के लिए निर्देश भी दिये जा रहे है। इस तरह से जहां यह कार्यवाही उपयंत्रियों के लिए स्वयं ही एक सबक के रूप में सामने है देखना यह है कि जनपद पंचायत जो बदली गई है जहां जिसको जिम्मेदारी दी गई है अब विकास कार्यों में कितनी प्रगति व गुणवत्ता समय पर तय होगी। यह तो आगे आने वाला वक्त ही तय करेगा। पर जिस तरह से उपयंत्रियों के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप चर्चा में सोशल मीडिया में भी बने हुए थे उन पर भी विराम लगा वहीं यह कार्यावाही अब उपयंत्रियों के लिए दायित्व निर्वाहन कर्तव्यों की भूमिका को लेकर उनका भविष्य स्वयं ही तय होगा। जिसमें मुख्य रूप से जिले की जिन जनपदों में प्रभावशाली लम्बे अर्से से यानी कि 10 वर्ष से अधिक जो उपयंत्री जमे हुए थे जिनके नाम चर्चा में थे उनमें से सबसे पहले पन्ना जनपद से उपयंत्री मुकेश शिवहरे जो पन्ना जनपद में 15 पंचायतें लगभग संभाले हुए थे इन्हें अजयगढ़ की जनपद पंचायत की सब्दुआ सेक्टर में पदस्थ किया गया है। जिनके अंतर्गत स्वयं जनपद अध्यक्ष अजयगढ़ की गृह ग्राम पंचायत की सब्दुआ वहीं इससे लगी हुई पंचायतें बरियारपुर भूमियान, देवराभापतपुर, गुमानगंज, बिलाही, कुंवरपुर, हनुमतपुर, बनहरीकला वहीं पन्ना से अजयगढ़ जनपद में पदस्थ किया गया श्री संजीव जैन जो सिंहपुर, भसूड़ा, हरदी, कल्याणपुर, बहिरवारा, छतैनी, नयागांव, सिद्धपुर की जिममेदारी संभाले हुए थे वहीं अजयगढ़ के खोरा सेक्टर के देवलपुर, मकरी, भखुरी, हरनामपुर, खोरा, अमरछी, में अशोक प्रजापति को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अजयगढ़ के राजापुर सेक्टर में रामनई, बरौली, बीहरसरबरिया, नंदनपुर, राजापुर, पिष्टा, सहपुरा, सिन्हाई, पाठा, मझगांय, कगरेका बारा, उदयपुर फरस्वाहा में अब आशीष उपाध्याय को जिम्मेदारी मानी जा रही है। वहीं पन्ना में पहाडीखेरा सेक्टर में पहाड़ीखेरा, लुहराई, सिल्धरा, दिया, उमरी, रमखिरिया, बिलखुरा अहिरगवां, जमुनिहाई, रहुनिया, सिरस्वाहा की जिम्मेदारी बालकराम नामदेव को मानी जा रही है। वहीं जिले के चर्चित चेहरे के रूप में जो गुनौर जनपद पंचायत में श्री रंग सोनी लम्बे अर्से से जमे हुए थे उन्हें पन्ना जनपद के बड़वारा सेक्टर में जहां फुलवारी, राजापुर, गुखौर, बड़वारा, गोल्हीपाठा, ढिगौरा, सथनिया, सरवारा, पुरैना, रिछौड़ा की जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब बात यह है कि जिनकी आदतों में कार्यप्रणाली इनके इतिहास को समेटे हुए है अब इनमें सुधार को लेकर जो यह कार्यवाही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के द्वारा चाही गई है वह किस हद तक विकास कार्यों में गुणवत्ता को लेकर समय-सीमा के साथ कार्यों को पूर्ण करने के लिए विना वही पुरानी कार्यशैली के संभव होगा।

जिले में 903.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

पन्ना। पन्ना जिले में इस वर्ष एक जून से एक सितम्बर की त्रैमास अवधि में 903.4 मिमी औसत वर्ष दर्ज की जा चुकी है। गत वर्ष उक्त अवधि में 120 मिमी कम अर्थात 783.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत वर्षा 1176.4 मिमी है।

अधीक्षक भू अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार अब तक सर्वाधिक एवं 1000 मिमी से अधिक वर्षा पवई एवं सिमरिया में क्रमशः 1301 मिमी और 1134.9 मिमी दर्ज की गई, जबकि सबसे कम वर्षा देवेन्द्रनगर में 650.3 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह पन्ना में 855.4 मिमी, गुनौर में 736.2 मिमी, अमानगंज में 984.1 मिमी, शाहनगर में 799.8 मिमी, रैपुरा में 938.8 मिमी और अजयगढ़ में 729.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

कुशल सिंह गौतम लायजनिंग अधिकारी नियुक्त

पन्ना। वाराणसी स्थित एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन पन्ना जिले में 2 से 14 सितम्बर तक विभिन्न आपदा संवेदनशील क्षेत्र और प्रमुख आकस्मिक इकाईयों का भ्रमण कर डाटा एकत्रित करेगी। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों की टीम द्वारा जिला आपदा प्रबंधन योजना का अध्ययन कर बेहतर आपदा प्रबंधन व समन्वय के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पार्षद के लिए दो एवं जपं सदस्य पद के उप निर्वाचन के लिए चार अभ्यर्थी मैदान में

11 सितम्बर को होगा मतदान, चुनाव चिन्ह आवंटित

पन्ना। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के लिए घोषित उप निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार नगर परिषद अजयगढ़ के वार्ड क्रमांक 14 में पार्षद तथा जनपद पंचायत गुनौर के वार्ड क्रमांक 14 में जपं सदस्य पद के लिए आगामी 11 सितम्बर को मतदान होगा। इसके अतिरिक्त जिले की दो ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए भी उप निर्वाचन कराया जाएगा। 31 अगस्त को नाम वापसी प्रक्रिया के उपरांत पार्षद के लिए दो तथा जपं सदस्य पद के लिए चार अभ्यर्थी मैदान में हैं।

नगर परिषद अजयगढ़ के वार्ड 14 से भारतीय जनता पार्टी की अभ्यर्थी मालती रजक और इंडियन नेशनल कांग्रेस की अभ्यर्थी पूनम साहू चुनाव लड़ेंगी। इसी तरह गुनौर जनपद पंचायत के वार्ड 14 से जपं सदस्य के लिए अंतिम रूप से पात्र पाए गए चार अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए हैं। अभ्यर्थी अनीता पाण्डेय को चुनाव चिन्ह ब्लैक बोर्ड, जड़ा बाई को बरगद का पेड़, मझू बेटालाल पटेल को झोपड़ी और संतोषी देवी परौहा को ट्रैक्टर चलाता हुआ किसान चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है।

पवई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत पलोही से सरपंच के उप निर्वाचन के लिए अंतिम रूप से आठ अभ्यर्थी अर्ह पाए गए। इनमें चंदन सिंह परिहार उर्फ भइया राजा को चश्मा, दद्दू राजा को कांच का गिलास, देवेन्द्र सिंह को फलों सहित नारियल का पेड़, दुरग सिंह उर्फ बबलू राजा को हस्तचलित पम्प, इन्द्रपाल सिंह परमार को ताला और चाबी, राघवेन्द्र सिंह को अनाज बरसाता हुआ किसान, राजेन्द्र सिंह को सब्जियों की टोकरी और सुनीता सिंह परमार को घंटी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। इसी तरह से शाहनगर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सारंगपुर में सरपंच पद के उप निर्वाचन के लिए सात अभ्यर्थी मैदान में है। इनमें अभ्यर्थी ब्रजेश को चश्मा, धनीराम प्रजापति को कांच का गिलास, गोपाल प्रसाद प्रजापति को फलों सहित नारियल का पेड़, मूलचन्द्र प्रजापति को हस्तचलित पम्प, राम रतन को ताला और चाबी, रूपलाल वर्मा को अनाज बरसाता हुआ किसान और सखी बाई को सब्जियों की टोकरी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है।

पंच के 13 पद पर निर्विरोध निर्वाचन

उप निर्वाचन अंतर्गत अजयगढ़ विकासखण्ड की विभिन्न ग्राम पंचायतों के 04 वार्ड में रिक्त पंच पद के लिए चार अभ्यर्थी निर्विरोध चुने गए हैं। प्रत्येक वार्ड से एक-एक अभ्यर्थी द्वारा भरे गए नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य पाए जाने के फलस्वरूप पंच का निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ। इसी तरह गुनौर विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों के 20 वार्ड में रिक्त पंच के 20 पद के विरूद्ध 9 अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुए, जबकि एक अभ्यर्थी का नामांकन विधिमान्य नहीं पाया गया। गुनौर में भी वार्ड पंच के लिए एक-एक अभ्यर्थी द्वारा नामांकन दाखिल किया गया था। यहां के कुल 10 वार्ड में पंच पद के लिए एक भी नामांकन दाखिल नहीं होने के कारण तथा एक वार्ड के लिए नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य नहीं पाए जाने के कारण कुल 11 पंच के पद इस बार के उप निर्वाचन के बावजूद रिक्त रह जाएंगे।

पोषण अभियान के शुभारंभ पर रोपे पौधे

पन्ना। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गत शनिवार को आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं परियोजना कार्यालय स्तर पर पौधे रोपे गए। साथ ही पौधों को सुरक्षित रखने की शपथ भी ली गई। इस वर्ष भी पोषण माह का आयोजन एक से 30 सितम्बर तक होगा। कलेक्टर सुरेश कुमार ने इस संबंध में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, नगरीय निकायों के सीएमओ, जनपद पंचायत सीईओ और बाल विकास परियोजना अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही एक लाख-एक साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण के संबंध में स्थान चयनित कर तथा उद्यानिकी व वन विभाग से समन्वय उपरांत पौधरोपण कार्यक्रम में जनसमुदाय को भी आमंत्रित करने के लिए निर्देशित किया है।

मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा टीवीएस जूपिटर स्कूटी को केक काटकर किया लॉन्च

देवेंद्रनगर। दो पहिया मोटर कंपनी ने अपनी लोकप्रिय उत्पाद स्कूटी जूपिटर 110 को नए रूप में बाजार में लॉन्च किया है लंबे समय बाद जुपिटर को कंपनी द्वारा नए स्वरूप नए वेरिएंट से लैस करने के पश्चात कंपनी ने अपने पन्ना जिले के डीलर सानू जैन के शोरूम में रविवार शाम को एक एक संक्षिप्त कार्यक्रम में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक जैन मुख्य आतिथ्य में टीवीएस जूपिटर 110 स्कूटी के नए स्वरूप अनावरण किया गया और ांम काट कर स्कूटी के नए स्वरूप का स्वागत

किया गया इस अवसर पर उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए शोरूम के डायरेक्टर सानू जैन ने टीवीएस जुपिटर के नए स्वरूप के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अपने सेवा भावी कार्यों के संकल्प को दोहराया और उन्हें बताया कि टीवीएस जूपिटर स्कूटी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अभी दो स्कूटी बुक हो चुकी है डॉक्टर अभिषेक जैन ने संबोधन में शोरूम संचालक को शुभकामनाएं व्यक्त कर कहा की संतुष्टि और विश्वास बड़ी पूंजी होती है जिसे बनाए रखना बड़ी बात है। सानू जैन द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि जुपिटर को अपडेट करके नई डिजाइन में लेकर ज्यादा फीचर और इंटीक्रेटिड स्टार्टर जनरेटर वाला नया इंजन दिया गया है इसे चार वेरिएंट और 6 कलर ऑप्शन में पेश किया गया है उन्होंने बताया कि इसमें फुल विड्थ लाइट बार ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एलसीडी इंस्टारूमेट क्लस्टर दिया है इस स्मार्ट एक्सोनेक्स्ट वेरिएंट में टर्न बाय टर्न नेविगेशन फाइंड मी फीचर्स दिए गए हैं साथ में ही फॉलो में हैंड लेप एडवांस्ड ट्रिप समरी कार्बन सेविंग इनफॉरमेशन मोबाइल चार्ज इसमें एगो एसिस्ट तकनीकी दी गई है टीवीएस जूपिटर लांचर के समय वहां पर जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप जैन प्रशांत जैन सुरेंद्र सिंह सुधीर सिंह सेलू अग्रवाल आमिर वारसी बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

पंचायत मित्र प्रतिनिधियो को देगे पोर्टल पर उपलब्ध योजना की जानकारी

पारदर्शी ग्राम पंचायत बने,पंचायत मित्रो को किया प्रशिक्षित

पन्ना। पंचायतो को पारदर्शी बनाने सरकार ने कई पोर्टल विकसित किये है। पंचायत दर्पण,मेंरी पंचायत, ई ग्राम स्वाराज पोर्टल, जीपीडीपी पोर्टल जैयार कर आम नागरिको के लिये पूरा व्यौरा उपलब्धकराकर पारदर्शिता का काम किया है। ऑनलाईन जानकारी को सुगम तरीके से देखना एवं एकजाई कर जनउपयोगी बनाने का कार्य समर्थन संस्था अपने पंचायत मित्रो के माध्यम से अजयगढ़ के 30 पंचायत में इसकी शुरूआत की है। पारदर्शी ग्राम पंचायत बने,ऑनलाईन पोर्टल पर उपलब्ध

जानकारी का इस्तेमाल सकारात्मक कर विकास को गति प्रदान करना संस्था का प्रयास है। त्रैमासिक समीक्षा से पंचायते होगी पारदर्शी - वर्ष 2023 से 24-25 तक की कार्ययोजना को एकजाई करना एवं फैक्टशीट तैयार कर सामुदाय एवं ग्राम पंचायत के साथ साझा कर उसको दीवार लेखन कराने में संस्था सहयोग कर रही है। पहले चरण में 10 ग्राम पंचायत की कार्ययोजना का अध्ययन कर सामुदाय के साथ चर्चा कर उसको दीवार में लिखवाने एवं पारदशी करने का कार्य किया जा रहा है। पंचायत मित्रो को दो दिन दस्तावेज तैयार करना एवं 2 दिन फील्ड अभ्यास करना एवं पंचायत के साथ वैठक करने की कार्ययोजना पर संस्था के बरिष्ठ साथी राजकुमार मिश्रा पंचायत मित्रो को प्रशिक्षित कर रहे है। दीपक चौधरी,मीत पटेल,फरीदा बी, विनीत द्विवेदी, विकास एवं लखन लाल शर्मा ,ज्ञानेन्द्र तिवारी प्रशिक्षण में सहयोग कर रहे है।

अमानगंज पुलिस ने अवैध शराब लिए युवक को पकड़ा, मामला दर्ज

अमानगंज। अमानगंज थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बुंदेलखंड ढाबा के पास एक व्यक्ति अवैध शराब लिए हुए है, मुखबिर की सूचना पर अमानगंज थाना पुलिस ने जब बताएं स्थान पर जाकर देखा तो एक व्यक्ति ढाबा के पीछे बोरी लिए बैठा था,जो पुलिस को देखते ही भागने लगा। पुलिस ने गिरा बंदी कर युवक को पकड़ा और नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम राजुल राजा पिता गुलाब सिंह बुंदेला उम्र 21 साल निवासी- खरमोरा थाना शाहनगर हाल निवास बुंदेलखंड ढाबा कुदरा मोड अमानगंज का होना बताया हाथ में लिए बोरी के अंदर देखा जिसमें देसी मदिरा प्लेन के 30 क्वार्टर सील बंद हालत में रखे मिले। युवक से शराब के दस्तावेज पूछे तो कोई दस्तावेज नहीं थे इसके बाद पुलिस ने देसी मदिरा प्लेन के सील बंद 30 क्वार्टर कीमत 3000 रुपए जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और अपराध दर्ज कर मामला विवेचना में लिया।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से होने वाली सिंचाई का रकबा बढ़ाने पर सैद्धांतिक स्वीकृति

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिवस दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में नदी जोड़ो परियोजनाओं, विशेषकर केन-बेतवा लिंक परियोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल को बताया कि मध्यप्रदेश राज्य नदी-जोड़ो अभियान में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश संयुक्त रूप से महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम कर रहे हैं, जो विश्व में अपने प्रकार की अद्वितीय परियोजना है। मध्यप्रदेश में इस परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के 10 जिलों को सिंचाई और पेयजल आपूर्ति की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही केन-बेतवा परियोजना के माध्यम से इस क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आग्रह पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री ने राज्य को दौधन बांध एवं लिंक नहर के भू-अर्जन एवं पुनर्विस्थापन के लिये केन्द्र से प्राप्त होने वाली शेष 1150 करोड़ रूपए की राशि शीघ्र जारी करवाने को आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि स्वीकृत केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत वर्तमान में प्रावधानित दमोह-पन्ना उद्वहन सिंचाई योजना से 90,100 हैक्टेयर सिंचाई के स्थान पर लगभग 2,50,000 हैक्टेयर की मध्यप्रदेश की पतने एवं ब्यारमा सिंचाई परियोजना को शामिल किया जाना उचित होगा। इस संबंध में संशोधित डीपीआर राज्य शासन द्वारा भेजी जा रही है, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

श्री प्राणनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं जिला अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

पन्ना। रविवार 1 सितंबर 2024 रविवार को श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट एवं जिला अस्पताल पन्ना के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन श्री प्राणनाथ धर्मशाला में किया गया। सुबह 9:00 से शुरू हुए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर मैं सुबह से ही लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी जिसमें महिला पुरुष बुजुर्ग बच्चों सभी शामिल थे। इस स्वास्थ्य सिविल में जो की शाम 3:00 बजे तक लोगों की जांच होती रही जिसमें लगभग 450 से अधिक लोगों का कम्पलीट ब्लड प्रोफाइल, लीवर जाँच, किडनी जाँच एवं अन्य जाँचे आवश्यकतानुसार की गई। इस शिविर में श्री 108 प्राणनाथ ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अमरेश शर्मा, सचिव, अभय शर्मा, न्यासी चंद्रकिशन त्रिपाठी, रंजीत शर्मा, दिनेश शर्मा, राकेश कुमार शर्मा, प्रमोद शर्मा, तिलकराज शर्मा, श्रीकान्त शर्मा, प्रबंधक मनोज शर्मा, उपप्रबंधक आशीष शर्मा एवं ज़िला चिकित्सालय की ओर से मृगेंद्र तिवारी ने उपस्थित रहकर आयोजन को गरिमा प्रदान की। इस शिविर का आयोजन मैहर निवासी विवेक दुबे, विनीत दुबे, पुनीत दुबे ने अपनी माताजी परमधाम वासी श्रीमती प्रभा दुबे की स्मृति में कराया।

आई.ई.सी. कैंपन वैन के माध्यम लोगों को दी जा रही योजनाओं की जानकारी

शहडोल। पीएम जनमन आई. ई.सी. कैंपन वैन के माध्यम से गांव-गांव जाकर प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत विशेष पिछड़ी हुई जनजातियों क मे लिए दी जा रही सुविधाएं और केंद्र सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है। आज पीएम जनमन आई. ई.सी. कैंपन वैन के माध्यम से शहडोल जिले के ग्राम छतवई, बरूका, अमलई, सेमरा, लालपुर, कंचनपुर सहित अन्य विशेष पिछड़ी हुई जनजाति क्षेत्रों में जाकर योजनाओं की जानकारी दी गई व योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रभारी प्राचार्य व शिक्षक का विवाद के चलते छात्राओं को थाने ले जाना कहा तक उचित

पन्ना। वैसे भी सीएम राईज आरएस गर्ग शा. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवेन्द्रनगर में यह घटना जो प्रभारी प्राचार्य व शिक्षक के बीच का विवाद मारपीट में तब्दील होकर थाने तक पहुंचा जो स्वयं ही अपने आप में छात्राओं के ऊपर क्या प्रभाव डालेगा यह अलग बात है साथ ही विद्यालय के स्टाप के द्वारा थाना तक छात्राओं को क्या पुष्टी कराने के लिए ले जाया गया। क्या यह जरूरी था अगर कोई पड़ताल की जानी थी तो थाना प्रभारी विद्यालय जा सकते थे? फिर छात्राओं का थाने ले जाना अपने आप चर्चा का विषय है। आखिर प्रभारी प्राचार्य व शिक्षक के मध्य जो विवाद हुआ उस घटना को लेकर शिक्षा विभाग में स्वयं ही अपने आप में इसे एक बड़ी क्षति मानी जाती हैं

इसके बाद भी विराम यहीं नहीं लग रहा छात्राओं को थाना ले कर जाना आखिरकार विद्यालय की जिस शिक्षक के द्वारा यह कार्य किया गया आखिरकार यह कहां तक लाजमी। क्या जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारी शिक्षा विभाग के इस घटना को लेकर छात्राओं को थाने पहुंचाने को लेकर क्या उचित मानेगें यह तो जिम्मेदार अधिकारियों से चर्चा के बाद ही सामने आयेगा। वहीं थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर से मोबाईल पर जाना तो पता चला कि विद्यालय की महिला शिक्षक 10-12 बच्चियों को लेकर थाना आई थी इसके बाद मैं स्वयं ही विद्यालय गया शिक्षकों के साथ बैठक की साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में पत्र भी लेख किये जाने की बात कहीं गई है आखिर इससे साफ जाहिर होता है कि महिला शिक्षक जो भी हो विद्यालय से छात्राओं को थाना ले जाना किसकी सहमति से माना जाये। इसा मामले में भी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पर क्या संज्ञान लेगें। यह भी वक्त के साथ ही जाना जायेगा। गौरतल बात यह है कि इस मामले में शिक्षा विभाग तथा छात्राओं व शिक्षकों को लेकर जो सवाल खड़े होर हे है समय रहते कार्यवाही या फिर खुली छूट क्या होगा जिससे मामले में लगे विराम।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 03 सितम्बर 2024 | 8

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की उपस्थिति में मंत्रालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में माह के पहले दिन जन गण मन एवं वन्दे-मातरम का सामूहिक गान हुआ। उसी अवसर का दृष्य।

अस्पतालों में असामाजिक तत्व मिले तो उन्हें जेल भेजें : कलेक्टर

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों, चिकित्सा कर्मियों तथा रोगियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें। शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी अस्पतालों में सुरक्षा के प्रबंध करें। रोगियों से मिलने वालों के लिए समय निर्धारित करें। केवल प्रवेश पत्र प्राप्त व्यक्ति को ही रोगी से मिलने की अनुमति दें। अस्पताल में कार्य करने वाले डॉक्टरों, चिकित्सा कर्मियों, आउटसोर्स कर्मचारियों तथा सुरक्षा कर्मियों को पहचान पत्र जारी करें। अस्पतालों में यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा असामाजिक तत्व मिले तो उसे जेल भेजें। उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें।

सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल भवन के अंदर और परिसर में प्रकाश की पूरी व्यवस्था करें। अस्पताल के जिस क्षेत्र में महिलाओं का आवागमन अधिक हो वहाँ सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी की निगरानी एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था करें। जहाँ सीसीटीवी लगे हैं वहाँ 24 घंटे कर्मचारी तैनात कर मॉनीटरिंग कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा मेडिकल कालेज के डीन डॉक्टरों का अस्पतालों में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें। दुर्घटना के शिकार अथवा अन्य आपदा के शिकार व्यक्ति को बिना किसी औपचारिकता के तत्काल उपचार की सुविधा दें। सभी अस्पतालों में इमरजेंसी में डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएचसी और पीएचसी का नियमित निरीक्षण करें। अनुपस्थित रहने वाले तथा समय पर कार्य में उपस्थित न होने वाले डॉक्टरों एवं चिकित्सा कर्मियों के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने कहा कि अस्पतालों में तैनात सुरक्षा कर्मियों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराएं। अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाकर पूरे परिसर की निगरानी करें। पुलिस अधिकारी रात्रिकालीन गश्त के दौरान अस्पतालों का भी भ्रमण करेंगे। अस्पताल में किसी भी तरह की इमरजेंसी होने पर तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम अथवा संबंधित थाना प्रभारी को सूचना दें। पुलिस बल तत्काल आपकी सहायता करेगा। बैठक में मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल ने बताया कि एंबुलेंस चालकों के साथ बैठक करके किलोमीटर के हिसाब से इनका किराया निर्धारित कर दिया गया है। एंबुलेंस को क्रमवार टोकन दिया जाएगा। प्राइवेट एंबुलेंस चालक अथवा मालिक हास्पिटल के वार्डों में प्रवेश न करें इसे सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में बड़े निर्माण स्थलों में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा तथा अस्पताल परिसरों में अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधि चलाने वालों पर कार्यवाही के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ एमएल गुप्ता, अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ईव्हीएम का रेण्डमाइजेशन और वितरण आज

रीवा। नगरीय निकाय तथा पंचायत राज संस्थाओं के रिक्त पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया जारी है। इनके लिए मतदान 11 सितम्बर को ईव्हीएम के माध्यम से कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने बताया कि रेण्डमाइजेशन तीन सितम्बर को सुबह 11.30 बजे से कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में होगा। उप जिला निर्वाचन ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत जवा एवं त्योंथर के अध्यक्ष को रेण्डमाइजेशन के समय उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। रेण्डमाइजेशन के उपरांत रिटर्निंग अधिकारियों को ईव्हीएम का वितरण अपरान्ह 2 बजे से शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज रीवा से 3 सितंबर को किया जायेगा।

सिरमौर में आज लगेगा नि :शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

उम्मीदों वाली बस से निःशुल्क जाँच और उपचार की मिलेगी सुविधा

रीवा। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की पहल पर गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए निःशुल्क जाँच और उपचार शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्ड मुख्यालयों में भी इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग तथा श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रोगियों की जाँच और उपचार करेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि श्री अरविंदो हास्पिटल इंदौर के सहयोग से तीन सितम्बर को सिरमौर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया है। शिविर में अरविंदो हास्पिटल की सर्व सुविधायुक्त चलित अस्पताल इकाई उम्मीदों वाली बस से रोगियों की जाँच की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से महिलाओं के स्तन कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर एवं ओरल कैंसर के रोगियों की जाँच एवं उपचार किया जाएगा। इस बस में जाँच के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं।

जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने श्रीमती सोनाली देव (आई.ए.एस.) को प्रशासकीय कार्य सुविधा के दृष्टिकोण से संजय गांधी चिकित्सालय, गांधी मेमोरियल अस्पताल तथा जिला चिकित्सालय रीवा के लिए रोस्टर अनुसार कार्य संपादन एवं केन्द्रीय व राज्य स्तरीय योजनाओं के क्रियान्वयन व स्टोर के दायित्व के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

रीवा। राज्य सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में सफल होने वाले अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों को प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गयी है। जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग ने बताया कि प्रियेश कुमार वर्मा निवासी हन्नाचौर जिला मऊगंज, शिवानंद प्रजापति निवासी बदवार एवं विजय कुमार प्रजापति निवासी ककरहा त्योंथर को प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 10-10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गयी है। जबकि विनय कुमार प्रजापति ककरहा को मुख्य परीक्षा में सफल होने पर 30 हजार रूपये तथा ज्ञानेन्द्र प्रसाद साकेत निवासी बन्ना जवाहर सिंह जिला मऊगंज को साक्षात्कार में सफल होने पर 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि मंजूर की गयी है।

भोपाल में सामूहिक राष्ट्रगान एवं वंदेमातरम गान हुआ

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की उपस्थिति में मंत्रालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में माह के पहले दिन जन गण मन एवं वन्दे-मातरम का सामूहिक गान हुआ।

प्रभारी खण्ड पंचायत अधिकारी निलंबित

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जनपद पंचायत गंगेव में पदस्थ लालबहादुर सिंह (पीसीओ) प्रभारी खण्ड पंचायत अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कलेक्टर ने सीईओ जनपद गंगेव के प्रस्ताव पर श्री सिंह को निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय जनपद पंचायत हनुमना जिला मऊगंज नियत किया है। उल्लेखनीय है कि प्रभारी खण्ड पंचायत अधिकारी को नशे के हालत में पाये जाने पर मेडिकल परीक्षण में पुष्टि होने पर निलंबित किया गया है।

अमृत-2 योजना से स्वीकृत कार्य समय सीमा में पूरा करें

रीवा

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अमृत-2 योजना से नगरीय निकायों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि अमृत-2 योजना से स्वीकृत निर्माण कार्य समय सीमा में पूरे कराएं। इसमें जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य 31 मार्च 2025 के पहले पूरा कराने पर नगरीय निकाय को 15 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सभी सीएमओ पेयजल व्यवस्था से जुड़े निर्माण कार्य तत्परता से कराएं। संबंधित निर्माण एजेंसी अनुबंध की शर्त का पालन करते हुए निर्माण कार्य पूरा करें। इस योजना से सभी नगरीय निकायों में पेयजल व्यवस्था से जुड़े कार्य, पार्क निर्माण तथा जल संरक्षण के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिन 23 कार्यों के कार्यादेश जारी हो गए हैं उन्हें तत्काल शुरू कराएं। शेष कार्यों के ड्राइंग डिजाइन की संचालनालय से अनुसंशा कराकर उनका भी निर्माण कार्य शुरू कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि रीवा नगर निगम में अमृत-2 योजना से पेयजल व्यवस्था के लिए 152 करोड़ रुपए के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसमें 491 किलोमीटर पाइपलाइन, इंटेक वेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण शामिल है। आयुक्त नगर निगम स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में पूरा कराएं। इसके साथ-साथ नगरीय निकायों में 212.83 करोड़ रुपए की लागत से 9 पार्कों तथा 9 जल संरक्षण के कार्य मंजूर किए गए हैं। संबंधित निर्माण एजेंसी तेजी से कार्य पूरा करे। बैठक में रीवा नगर निगम में पाँच करोड़ रुपए की लागत से सीवर लाइन निर्माण के अतिरिक्त कार्य को मंजूरी दी गई। आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे ने अमृत-2 योजना से स्वीकृत कार्यों के संबंध में बताया कि कुठुलिया में 37 एमएलडी का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा इंटेक वेल का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। स्वीकृत टंकियों का भी निर्माण कार्य चल रहा है। सीवर लाइन से जुड़े निर्माण कार्य बारिश के बाद शुरू होंगे। बैठक में एडीएम श्रीमती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, नगर परिषद अध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में जलकर व सम्पत्तिकर में मिलेगी छूट

नेशनल लोक अदालत 14 सितंबर को

रीवा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री आर्शीवाद भिलाला के नेतृत्व में जिला न्यायालय में 14 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत में सभी प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह समझौते से किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में जलकर एवं सम्पत्तिकर राशि एक मुक्त जमा करने पर शासन द्वारा छूट दिये जाने का प्रावधान है। सम्पत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की पचास हजार रूपये से अधिक तथा एक लाख तक बकाया है जिसमें अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। इसी प्रकार सम्पत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रूपये से अधिक बकाया है, पर अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त होगी।

लोक अदालत जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण जिनमें कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि दस हजार रूपये तक बकाया है, पर अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट, जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण जिनमें कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि दस हजार रूपये से अधिक तथा पचास हजार रूपये तक बकाया है, पर अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट एवं जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण जिनमें कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि पचास हजार रूपये से अधिक बकाया है, पर अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह छूट मात्र एक बार दी जायेगी। छूट उपरांत राशि अधिकतम दो किश्तों में जमा करवाई जा सकेगी, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन जमा करवाना अनिवार्य होगा तथा शेष राशि अधिकतम एक माह में जमा करना होगा। यह छूट नेशनल लोक अदालत के लिये ही मान्य होगी।

निगम आयुक्त ने नागरिको की समस्याओं के निराकरण हेतु विभागीय समीक्षा बैठक ली

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे ने निगम सभागार में नागरिको की समस्याओं के निराकरण हेतु विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों की स्थिति पर गंभीरता से विचार किया गया। निगमायुक्त द्वारा अधिकारियों को सख्ती से निर्देश दिये गये कि सभी लंबित शिकायतों का समाधान पूर्वक त्वरित निराकरण किया जाय जिससे नागरिकों को राहत मिल सके एवं सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग भी सुदृढ़ हो। सभी लंबित शिकायतों का विभागवार समीक्षा की गई अतिक्रमण की शिकायतों पर जोर दिया गया कि अतिक्रमण प्रभारी प्रतिदिवस कार्यवाही सुनिश्चित करें एवं अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा पुनरावृत्ति किये जाने पर जप्ती की कार्यवाही करें। स्वच्छता संबंधी शिकायतों पर भी सख्त रूख अपनाते हुये निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि शिकायतो का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें। इसके अलावा, निगमायुक्त ने समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया पर उठाई गई समस्याओं को भी प्राथमिकता के साथ हल किया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे, और सभी को जिम्मेदारी से अपने-अपने विभागों की शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए, उनकी शिकायतों का समाधान शीघ्रता से किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैठक में जोनल अधिकारी श्री एच.के. त्रिपाठी, श्री राजेश सिंह, श्री एसएल दहायत, उपायुक्त श्री दीपक पटेल, सहायक आयुक्त श्रीमती रूपाली द्विवेदी, श्री रामनरेश तिवारी, श्री केएन साकेत, स्वास्थ्य अधिकारी श्री बालगोविन्द चतुर्वेदी, श्री मुरारी कुमार, सहायक यंत्री, अतिक्रमण प्रभारी, उपयंत्री एवं अन्य मौजूद रहे।

नगर निगम के राजस्व वसूली के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक ली गई

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे द्वारा निगम सभागार में दिनांक 02.09.2024 को नगर निगम के राजस्व वसूली के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक ली गई। बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति की जानकारी ली गई एवं राजस्व वृद्धि को प्राथमिकता देते हुए, निगमायुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान, निगमायुक्त ने दयनीय प्रदर्शन करने वाले निरीक्षकों को नोटिस जारी करने एवं मॉग अनुरूप वसूली न करने तक वेतन रोकने के निर्देश दिये। साथ ही, राजस्व वसूली में सुधार के लिए प्रत्येक सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों के माध्यम से राजस्व वसूली की स्थिति की गहन समीक्षा की जाएगी और आवश्यकतानुसार दण्डात्मक कदम उठाए जाएंगे, एक ही वार्ड में लम्बे समय से कार्य कर रहे सहायक राजस्व निरीक्षको की बदली की जावेगी एवं दयनीय स्थिति नही सुधारने पर सम्बंधित को निलम्बित करने के भी निर्देश दिये। साथ ही आगामी लोक अदालत पर रिकार्ड कलेक्शन की जोर देने की बात कही एवं पुराने बकायादारो के एरियर्स पर दल बनाकर प्राथमिकता से कलेक्शन करने के निर्देश दिये गये। बैठक का उद्देश्य नगर निगम की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करना और विकास कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि जुटाना है। निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में राजस्व वसूली के लक्ष्यों को पूरा करें, ताकि जितनी अधिक वसूली होगी उससे नगर निगम की योजनाओं का आसानी से सफल क्रियान्वयन हो सकेगा। बैठक में उपायुक्त श्री दीपक पटेल, सहायक आयुक्त श्री रामनरेश तिवारी, राजस्व अधिकारी श्री नीलेश चतुर्वेदी, श्री रावेन्द्र सिंह के साथ सम्बंधित राजस्व कर्मचारी मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार हर गुरूवार और शुक्रवार सर्किल कोर्ट में करें सुनवाई : कलेक्टर

सीएम हेल्पलाइन की 50 दिन से अधिक के आवेदन शत-प्रतिशत निराकृत करें

रीवा

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी आगामी सात दिनों में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण करें। कोई भी विभाग सीएम हेल्पलाइन में बी ग्रेड से नीचे न रहे इसे सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पीएचई विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, वित्त विभाग, नगरीय निकायों तथा स्वास्थ्य विभाग में बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। संबंधित अधिकारी विशेष प्रयास करके प्रकरणों का निराकरण कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी नायब तहसीलदार और तहसीलदार प्रत्येक गुरूवार और शुक्रवार को सर्किल कोर्ट में बैठकर प्रकरणों की सुनवाई करें। इसके लिए स्थान निर्धारित करके वहाँ समुचित सूचना बोर्ड लगा दें। बोर्ड में कोर्ट की सुनवाई के दिन समय और अधिकारी का उल्लेख करें। सोशल मीडिया के माध्यम से भी आमजनता को इसकी सूचना दें। एसडीएम निर्धारित दिवसों में सर्किल कोर्ट का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। सभी एसडीएम प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के राहत प्रकरण सात दिवस में स्वीकृत कर उन्हें राशि उपलब्ध कराएं। आगामी त्यौहारों को देखते हुए अपने अनुभाग में शांति समिति की बैठक आयोजित कर कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए समुचित उपाय करें। ईद मिलादउन्नवी के जुलूस तथा गणेश पूजा पंडालों के लिए आवश्यक प्रबंध करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि उप संचालक कृषि तथा जिला प्रबंधक विपणन संघ किसानों की माँग के अनुसार खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करें। अभी जिले में नौ हजार टन से अधिक यूरिया उपलब्ध है। इसका समुचित वितरण कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शासन के निर्देशों के अनुसार सभी अस्पतालों में सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें। बैठक में शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने तथा विभागों को आवंटित शासकीय भूमि को खसरे में दर्ज कराने के संबंध में भी निर्देश दिए गए। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सहायक कलेक्टर सोनाली देव, सहायक कलेक्टर प्रपंज आर, सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833